पहले दिन लगाई गई करीब 10 लाख सतर्कता डोज,

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 31 दिनांक: 11-01-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

अभिनेता सोनू सूद की बहन मालविका औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल, चन्नी ने मोगा से प्रत्याशी बनाने के दिए संकेत

पहले दिन लगाई गई करीब 10 लाख सतर्कता डोज,

नई दिल्ली । देश में ओमिक्रोन वैरिएंट के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्यकर्मी, फ्रंटलाइन वर्कर और गंभीर रोगों से ग्रस्त 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को सोमवार से वैक्सीन की सतर्कता डोज लगाई जाने लगी है। कोविन पोर्टल के रात आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक पहले दिन करीब 10 लाख डोज लगाई गई हैं।वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पात्र लोगों से कोविड-19 रोधी वैक्सीन की एहतियाती खुराक लेने की अपील की।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा- 'देश में वैक्सीन की एहतियाती खुराक दी जानी शुरू की गई है। उन लोगों का अभिनंदन जिन्होंने आज वैक्सीन लगवाई। मैं उन सभी से वैक्सीन की एहतियाती खुराक लगवाने का अनुरोध करूंगा जो इसके लिए पात्र हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं टीकाकरण कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे प्रभावी साधनों में से एक है।' पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी और उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड एवं बारिश के बावजूद देशभर में टीका केंद्रों पर सतर्कता डोज लेने वालों की कतारें देखी गईं।

सतर्कता डोज के लिए पात्र लोगों की संख्या लगभग 5.70 करोड़ है। इसमें 1.05 करोड़ स्वास्थ्यकर्मी, 1.90 करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर और 2.75 करोड़ गंभीर रोगों से ग्रस्त 60 साल से अधिक उम्र के लोग शामिल हैं। 24 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 10 जनवरी से सतर्कता डोज लगाई जाएगी। कोविन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक कुल 9.68 लाख सतर्कता डोज लगाई गई है। इसमें 7.34 लाख स्वास्थ्यकर्मियों व फ्रंटलाइन वर्करों को दी गई हैं। सोमवार को समाचार लिखे जाने तक कुल 89.60 लाख डोज लगाई जा चुकी थीं। इसमें 15-18 वर्ष के किशोरों को दी गईं 22.83 लाख पहली डोज शामिल हैं।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने दोपहर में ही ट्वीट कर कहा था कि उनके राज्य में अब तक 91 हजार से ज्यादा सतर्कता डोज दे दी गई हैं। इसी तरह गुजरात समेत अन्य राज्यों में भी सतर्कता डोज शुरू करने को लेकर विशेष तैयारियां की गई। गुजरात में इस अभियान को शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल खुद एक टीका केंद्र पर पहुंचे थे।

देश में ओमिक्रॉन के 4,033 केस, राजस्थान में दिल्ली से ज्यादा

-राजस्थान ने 529 ओमिक्रॉन मामले के साथ ही दिल्ली को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में 24 घंटे में ओमिक्रॉन के 410 नए केस सामने आए, जिससे मामलों की कुल संख्या बढ़कर 4,033 हो गई है। इसी के साथ अब तक 1,552 लोग ठीक हुए हैं। ये जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार सुबह साझा की। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ओमिक्रॉन अब तक 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के 207 मामले सामने आए, जिससे मामलों की संख्या बढ़कर 1,216 हो गई है। महाराष्ट्र ओमिक्रॉन से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। जबकि 454 मरीजों को छुट्टी दे दी गई है।

राजस्थान ने 529 ओमिक्रॉन के मामले आने के साथ ही दिल्ली को पीछे छोड़ दिया, जिनमें से 305 को अब तक छुट्टी दे दी गई है। दिल्ली में ओमिक्रॉन के 513 मामले हैं। इनमें से 57 को अब तक अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। दिल्ली के बाद कर्नाटक में ओमिक्रॉन के 441 मामले है। केरल में अब तक 333 ओमिक्रॉन के मामले सामने आए हैं। अन्य राज्यों में, गुजरात में अब तक 236 मामले सामने आए हैं, जबकि तमिलनाडु में 185 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना और हरियाणा में भी 123 ओमिक्रॉन के मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, हाल ही में चुनाव होने वाले उत्तर प्रदेश में ओमिक्रॉन के 113 मामले सामने आए हैं। हालांकि मामलों की संख्या ओडिशा में 74 और आंध्र प्रदेश में 28 हो गई है। पंजाब और पश्चिम बंगाल में 27-27 मामले हैं और गोवा में 19 ओमिक्रॉन के मामले हैं। मध्य प्रदेश में बीते 24 घंटों में ओमिक्रॉन का एक मामला सामने आया है, जिससे संख्या बढ़कर 10 हो गई है। हालांकि, असम में 9 और उत्तराखंड में 8 ओमिक्रॉन के मामले हैं। मेघालय में अब तक ओमिक्रॉन के 4 मामले हैं। चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अब तक 3-3 मामले और पुडुचेरी में 2 मामले सामने आए हैं। इस बीच, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख, मणिपुर और छत्तीसगढ़ में ओमिक्रॉन का एक-एक मामला सामने आया है।

यूपी चुनाव में सियासी उठापटक शुरू, सहारनपुर में नोमान मसूद रालोद छोड़कर बसपा में शामिल

सहारनपुर । यूपी में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद राजनैतिक उठापटक का दौर भी शुरू हो गया। विधानसभा चुनाव से दलीय निष्ठायें बदलने लगी हैं। सहारनपुर की राजनीति में भी बड़ा बदलाव हो रहा है, यहां की सियासी नब्ज थामने वाले काजी घराने में फिर बिखराव के संकेत मिल रहे हैं। सहारनपुर की सियासत में 46 सालों तक राज करने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री और नौ बार के सांसद काजी रशीद मसूद के भतीजे इमरान मसूद कांग्रेस को झटका देकर सपा में शामिल होने जा रहे हैं, तो इमरान के ही जुड़वा भाई नोमान मसूद ने रालोद (राष्ट्रीय लोकदल) को झटका देकर हाथी की सवारी करने का निर्णय ले लिया है। नोमान दो बार गंगोह विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और दोनों बार हारे। उनकी पहले भी बसपा में शामिल होने की चर्चा थी, लेकिन वह किसान आंदोलन के दौरान रालोद में शामिल हो गए, लेकिन रालोद को अपने लिए मुफीद न पाकर अब वह बसपा में शामिल हो गए हैं।

दरअसल समाजवादी पार्टी ने रालोद से गठबंधन किया है। इसके चलते गंगोह विस सीट सपा के खाते में जाती हुई प्रतीत हो रही है, ऐसा माना जा रहा है कि सपा में इस सीट के जाने की संभावनाएं पुख्ता होने के कारण नोमान ने बसपा में जाने का फैसला किया।

इस सीट से नोमान मसूद ने 2017 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। तब कांग्रेस और सपा का गठबंधन था, लेकिन इस सीट पर सपा के प्रत्याशी ने भी ताल ठोकी थी और नोमान करीब 38 हजार वोटों के अंतर से भाजपा के प्रदीप चौधरी से हार गए थे। पहले प्रदीप के पिता मास्टर कंवर पाल और फिर प्रदीप को काजी परिवार ने ही समर्थन देकर इस सीट पर विधायक बनवाया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से प्रदीप चौधरी कैराना सीट से सांसद निर्वाचित हुए तो यह विस सीट खाली हो गई और उसी साल हुए उपचुनाव में नोमान ने फिर से कांग्रेस से किस्मत आजमाई, लेकिन इस बार भाजपा के कीरत सिंह से करीब 5 हजार वोटों के अंतर से हार गए।

काजी नोमान मसूद अपने कार्यकर्ताओं के साथ बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए। बहुजन समाज पार्टी के कद्दावर नेता पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी शमसुद्दीन राईन के आवास गाजियाबाद में बहुजन समाज पार्टी में शामिल हुए। गंगोह विधानसभा से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं नोमान मसूद। उपचुनाव में भी बसपा पार्टी में जाने की हुई थी चर्चाएं। चुनाव से कुछ दिन पहले रालोद में हुए थे नोमान मसूद शामिल। गठबंधन में टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर बसपा में जताई आस्था।

ओमिक्रॉन के रूप बीए.1 वैरिएंट ने डेल्टा की जगह लेना शुरू किया

-महाराष्ट्र व कुछ राज्यों में ऐसा दिखा, सैंपल्स की जीनोम सीक्वेंसिंग जुटे वैज्ञानिक

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश भर में कोरोना के नए केसों में तेजी से इजाफे के लिए जिम्मेदार ठहराए जा रहे ओमिक्रॉन वैरिएंट ने भारत में शायद रूप बदल लिया है। ओमिक्रॉन का ही एक और रूप बताए जा रहे बीए.1 वैरिएंट ने अब डेल्टा की जगह लेना शुरू कर दिया है। फिलहाल महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में ऐसा देखा जा रहा है। फिलहाल वैज्ञानिक पॉजिटिव क्लीनिकल सैंपल्स की जीनोम सीक्वेंसिंग करने में जुटे हैं। इस स्टडी के बाद ही कुछ और जानकारी निकलकर सामने आ सकेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ओमिक्रॉन से ज्यादा फिलहाल बीए.1 वैरिएंट ही देश भर में तेजी से बढ़ रहे केसों के लिए जिम्मेदार है।

हालांकि राहत की बात यह है कि इस वैरिएंट से पीड़ित लोगों में मामूली लक्षण ही दिखे हैं और लोगों को अस्पतालों में कम ही एडमिट करने की जरूरत पड़ रही है। ओमिक्रॉन वैरिएंट की ही फैमिली से जुड़े तीन नए वैरिएंट बीए.1 , बीए.2 और बीए.3 सामने आए हैं। डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के सीनियर साइंटिस्ट ने बताया, 'हमें कुछ क्लीनिकल सैंपल्स में बीए.1 वैरिएंट की मौजूदगी मिली है। यह ओमिक्रॉन वैरिएंट फैमिली से ही ताल्लुक रखता है। यह एक ही फैमिली के हैं। इसलिए पीड़ित लोगों में ओमिक्रॉन वैरिएंट ही बताया जा रहा है। देश में 20 दिसंबर के बाद से ही कोरोना के नए केसों में तेजी देखी जा रही है। सोमवार को देश भर में एक ही दिन में 1.80 लाख नए केसों का आंकड़ा सामने आया है। महाराष्ट्र, दिल्ली समेत कई राज्यों में केसों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि देश में तीसरी लहर शुरू हो चुकी है और फरवरी के पहले सप्ताह में यह पीक पर होगी। हालांकि राहत की बात यह है कि भले ही केसों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन ज्यादातर लोगों को अस्पताल में एडमिट करने की जरूरत ही नहीं पड़ रही है। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि मार्च के मध्य तक कोरोना की यह तीसरी लहर बेहद धीमी हो जाएगी। तीसरी लहर इस महीने के मध्य में अपने पीक पर पहुंच सकती है। हमारे पास पूरे भारत के लिए प्रयाप्त डेटा तो नहीं है, लेकिन हमारी वर्तमान गणना के अनुसार हम उम्मीद करते हैं कि तीसरी लहर अगले महीने की शुरुआत में चरम पर पहुंच जाएगी। पीक की ऊंचाई वर्तमान में ठीक से नहीं ली जा रही है, क्योंकि पैरामीटर तेजी से बदल रहे हैं। एक अनुमान के रूप में हम एक दिन में चार से आठ लाख मामलों की एक विस्तृत श्रृंखला की भविष्यवाणी करते हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा विमान के पास टग वैन में लगी भीषण आग

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई एयरपोर्ट पर उस समय अफरा तफरी मच गई जब विमान के पास खड़ी एक टग वैन आग की चपेट में आ गई। ये घटना सोमवार की है। यात्रियों से भरी फ्लाइट को पुशबैक देने वाले वाहन (ट्रैक्टर) में अचानक आग लग गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हादसा वी26आर स्टैंड पर हुआ। विमान में करीब 85 लोग सवार थे और ये मुंबई से जामनगर, गुजरात के लिए उड़ान भरने वाला था। घटना आज दोपहर 1 बजे की है। वाहन को मुंबई से जामनगर जाने वाली फ्लाइट को पुशबैक देने के लिए लाया गया था कि तभी इसमें अचानक आग लग गई। हालांकि आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा, ठकिसी को कोई चोट नहीं आई, न ही किसी और चीज को कोई नुकसान हुआ है। हम अधिक जानकारी के लिए, एयरपोर्ट ग्राउंड हैंडलर से संपर्क कर रहे हैं। आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। एयर इंडिया की मुंबई-जामनगर फ्लाइट एआइसीए-647 को पुशबैक देने के लिए आए वाहन में अचानक आग लग गई और हादसे के वक्त एयरपोर्ट पर अफरा तफरी मच गई। हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए आग पर जल्द ही काबू लिया। किसी को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मौके पर मौजूद हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, ठवीडियो में विमान करीब दिखाई दे रहा है, लेकिन वास्तव में, यह आग लगने वाले उपकरणों से 20 फीट या उससे अधिक दूर था। विमान ट्रैक्टर से जुड़ा नहीं था।'' विमान के नुकसान या ग्राउंड हैंडलर्स को किसी भी तरह की चोट के बारे में पूछे जाने पर, प्रवक्ता ने कहा, ''कोई चोट नहीं, किसी और चीज को नुकसान नहीं हुआ। हम अधिक जानकारी के लिए एयरपोर्ट ग्राउंड हैंडलर (एयर इंडिया एयरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड) से जांच कर रहे हैं।

केरल में आयकर विभाग की छापेमारी, 200 करोड़ की काली कमाई सामने आई

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयकर विभाग ने केरल में दो समूहों पर छापेमारी कर 2.30 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। इसके साथ ही 200 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता चला है।विभाग ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि गत पांच जनवरी को केरल के कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिसुर, पलक्कड़, कुन्नूर में 35 स्थानों पर यह कार्रवाई की गई। इस दौरान कई साक्ष्य आदि मिले जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। तलाशी के दौरान 2.30 करोड़ रुपसे से अधिक की नकदी जब्त की गई है। इसके साथ ही करीब दो सौ करोड़ रुपये की अघोषित आय का भी पता चला है।

चुनाव से पहले ही बिखरा किसानों का राजनीतिक दल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब के विधानसभा चुनाव में उतरने का ऐलान करने वाले किसान संगठनों को इलेक्शन से पहले ही बड़ा झटका लगा है। मालवा क्षेत्र में बड़ा प्रभाव रखने वाले भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) ने किसी भी दल का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। रविवार को बलबीर सिंह राजेवाल की लीडरशिप वाले संयुक्त समाज मोर्चा ने अपील की थी कि सभी किसान संगठन चुनाव में एक साथ आएं और समर्थन करें। संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल कई किसान संगठनों को शामिल कर संयुक्त समाज मोर्चा नाम के राजनीतिक दल का गठन किया गया है। यह संगठन चुनाव में उतरा है। बलबीर सिंह राजेवाल की अपील को खारिज करते हुए जोगिंदर सिंह उगराहां ने सोमवार को चंडीगढ़ में मीडिया से बात करते हुए कहा कि चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगले महीने होने वाले इलेक्शन में हम न तो संयुक्त समाज मोर्चा का समर्थन करेंगे और न ही विरोध करेंगे। पंजाब में 14 फरवरी को वोटिंग होनी है और 10 मार्च को नतीजे आएंगे। इसी दिन यूपी, उत्तराखंड समेत अन्य 4 राज्यों के भी परिणाम आएंगे। हालांकि जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा कि उनका संगठन 15 जनवरी को बुलाई गई बैठक में हिस्सा लेगा। इस मीटिंग में किसानों से जुड़े तमाम मुद्दों पर अब तक क्या प्रगति हुई है। इस पर चर्चा की जाएगी। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर को तीन नए कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान किया था। इसके बाद किसानों ने दिसंबर में घर वापसी का ऐलान किया था। इसके बाद 32 में से 19 किसान संगठनों ने ऐलान किया था कि वे पंजाब के चुनाव में उतरेंगे। किसान संगठनों का कहना था कि किसी अन्य दल के पीछे जाने की बजाय अपने मुद्दों के लिए खुद ही मैदान में उतरना होगा। वहीं भारतीय किसान यूनियन समेत कई अन्य संगठनों ने इससे दूरी बना ली थी। इसके बाद अब 8 संगठनों ने किसानों के राजनीति में उतरने का विरोध किया था। इस पर राजेवाल ने सभी किसान संगठनों से अपील की थी कि वे चुनाव में साथ आएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक वो देश के प्रधानमंत्री हैं मैंने मुख्यमंत्री चन्नी को किया था फोन: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक मामले में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने साफ कर दिया है कि उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को फोन कर घटना के बारे में बात की थीं। प्रियंका गांधी ने कहा कि वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के बारे में सुनकर चिंतित हो गईं थीं। उन्होंने कहा कि पीएम की सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी पार्टी को राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। मेरे पास संवैधानिक पोस्ट नहीं है, लेकिन जब मैने टीवी देखी, तो मुझे पीएम मोदी की चिंता हुई। मुझे पीएम की चिंता हुई उनकी सुरक्षा में हमारी सरकार की तरफ से कोई चूक तो नहीं हुई। तो एक साथी होने की हैसियत से उनको फोनकर बात की और पूछा की सब कुछ ठीक तो है। कुछ गलत तो नहीं हो गया। प्रधानमंत्री जी सुरक्षित हैं कि नहीं हैं। तब उन्होंने मुझे ब्रीफ किया कि नहीं सब कुछ ठीक है। वहीं, रिपोर्ट मांगने के सवाल पर प्रियंका गांधी ने कहा कि मैं उनसे कैसे रिपोर्ट मांग सकती हूं। प्रियंका गाधी ने आगे कहा 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि वह (पीएम मोदी) देश के प्रधानमंत्री हैं। पूरे देश में उनका सुरक्षित होना बहुत जरूरी है। सुरक्षा में उल्लंघन के मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।' वहीं, जब उनसे कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा पीएम की सुरक्षा में चूक के बाद 'हाउ इज द जोश' वाले ट्वीट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने दावा किया कि इस तरह के ट्वीट घटना होने से पहले किए गए थे। दरअसल, यह मामला उस समय और तुल पकड़ लिया जब पंजाब के सीएम चन्नी ने कहा कि वह पीएम की सुरक्षा के मुद्दे पर प्रियंका गांधी से बात की है। चन्नी के इस बयान पर बीजेपी ने सवाल किया था कि आखिरी किस हैसियत से चन्नी ने प्रियंका गांधी को फोन कर घटना की जानकारी दी। क्या प्रियंका गांधी किसी संवैधानिक पोस्ट पर हैं।प्रियंका गांधी ने कहा कि मेरे परिवार ने देखा है कि सुरक्षा के साथ राजनीतिकरण होता है तो क्या होता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जांच का आदेश दिया है तो जांच सामने आने दीजिए पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी। बता दें कि पीएम मोदी पिछले हफ्ते पंजाब के दौरे पर गए थे, जहां उनकी सूरक्षा में बड़ी चूक सामने आई थी। पीएम मोदी का काफिल एक फ्लाईओवर पर करीब 20 मिनट तक फंसा रहा। अंत में पीएम मोदी अपने कार्यक्रम को बीच में रद्द कर वापस लौट आए थे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उप मुख्यमंत्री हुए कोरोना संक्रमित

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोविड पॉजिटिव हो गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी ट्वीट में यह जानकारी दी गई है। बिहार के दोनों उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी भी 5 जनवरी को कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इनके अलावा राज्य के दो मंत्री सुनील कुमार और अशोक चौधरी को भी कोविड हुआ है। उधर, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। राजनाथ ने सोमवार को एक ट्वीट में लिखा, 'मुझे आज कोरोना संक्रमित पाया गया है हालांकि लक्षण बेहद हल्के हैं। मैं इस समय होम क्वारंटाइन हूं। जो हाल ही में मुझसे संपर्क में आए हैं, मैं उन सभी भी टेस्ट कराने और खुद को आइसोलेट करने का आग्रह करता हूं। ' दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, तमिलनाडु से बीजेपी नेता खुशबू सुंदर, बीजेपी सांसद मनोज तिवारी, एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले, केंद्रीय मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय और कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला व दीपेंद्र हुड्डा को भी कोरोना हो चुका है।

सिख फॉर जस्टिस ने ली प्रधानमंत्री का सुरक्षा घेरा भेदने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक सनसनीखेज खुलासे में सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने पंजाब में पीएम के सुरक्षा उल्लंघन की जिम्मेदारी ली है। सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने पंजाब में पीएम के सुरक्षा उल्लंघन की जिम्मेदारी ली है। रिकॉर्ड किए गए संदेश में कहा गया है कि 1984 के दंगों के दौरान सिख समुदाय के सदस्यों की हत्याओं के संबंध में शीर्ष अदालत ने पर्याप्त न्याय नहीं किया।

यह सन्देश सुप्रीम कोर्ट के कई अधिवक्ताओं को मिला, जिन्होंने दावा किया कि उन्हें एक रिकॉर्डेड मैसेज के साथ अंतरराष्ट्रीय कॉलआया है, जिसमें शीर्ष अदालत से पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक से जुड़े मामले को लेकर केंद्र सरकार की मदद नहीं करने को कहा गया है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने कहा कि रिकॉर्ड किए गए संदेश में पिछले सप्ताह पीएम के मार्ग को अवरुद्ध करने की जिम्मेदारी भी ली गई है।

सूत्रों के मुताबिक, कई एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) को सुबह एक अज्ञात अंतर्राष्ट्रीय नंबर से कॉल आए, जिसमें रिकॉर्डेड संदेश था कि सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने पंजाब में पीएम के सुरक्षा उल्लंघन की जिम्मेदारी ली है। रिकॉर्ड किए गए संदेश में कहा गया है कि 1984 के दंगों के दौरान सिख समुदाय के सदस्यों की हत्याओं के संबंध में शीर्ष अदालत ने पर्याप्त न्याय नहीं किया। कॉल में कथित तौर पर शीर्ष अदालत में सुरक्षा के मुद्दे को उठाकर मोदी शासन को मदद नहीं करने की अपील की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने इस मामले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग की है।

जेठमलानी ने एक ट्वीट में कहा, सिख फॉर जस्टिस यूएसए द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एओआर (एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड) को भेजे गए ऑडियो को सावधानीपूर्वक लेना चाहिए। यह हरकत प्रचार से प्रेरित या दोषियों का बचाव करने के लिए एक धोखा हो सकती है। बावजूद इसके, यह उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों/ एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड के लिए परोक्ष खतरा उत्पन्न करने वाला लगता है, इसलिए तत्काल इस मामले की एनआईए से जांच करवाई जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक से जुड़े मामले की जांच के लिए एक पूर्व शीर्ष न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने पर सहमत हो गया।

दिल्ली के याचिकाकर्ता लॉयर्स वॉयस का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका का उल्लेख किया था। उन्होंने देश के पीएम को सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया।

याचिका में पंजाब में प्रधानमंत्री के सुरक्षा उल्लंघन की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। इसने जिला न्यायाधीश बठिंडा को प्रधानमंत्री के दौरे के संबंध में पंजाब पुलिस की आवाजाही और तैनाती से संबंधित सभी सामग्री एकत्र करने, संरक्षित करने और पेश करने और डीजीपी और पंजाब के मुख्य सचिव की जिम्मेदारी तय करने का निर्देश देने की मांग की है।

आंग सान सू ची को चार साल की सजा

यांगून (ईएमएस)। म्यांमार की अदालत ने अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को अवैध रूप से 'वॉकी-टॉकी आयात करने, रखने और कोरोना संबंधी पाबंदियों का उल्लंघन करने के लिए दोषी पाए जाने के बाद चार और साल कैद की सजा सुनाई। सू ची को पिछले महीने दो अन्य मामलों में दोषी ठहराया गया था और चार साल की जेल की सजा दी गई थी, जिसे बाद में देश की सैन्य सरकार के प्रमुख ने आधा कर दिया था।

सेना द्वारा पिछले साल फरवरी में सू ची की सरकार को बेदखल करने और सत्ता की कमान अपने हाथ में लेने के बाद से 76 वर्षीय नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के खिलाफ दायर लगभग एक दर्जन मामलों में ये मामले भी शामिल हैं। सभी मामलों में दोषी पाए जाने पर सूची को 100 साल से अधिक की कैद होगी है।

सू ची के समर्थकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोप सेना के कार्यों को वैध बनाने और उन्हें राजनीति में लौटने से रोकने के लिए लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि उन्हें 'वॉकी-टॉकी आयात करने के लिए निर्यात-आयात कानून के तहत दो साल और उसे अपने पास रखने के लिए दूरसंचार कानून के तहत एक साल की सजा सुनाई है। सजा एक साथ काटी जाएगी। चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर कोरोना संबंधी पाबंदियों का उल्लंघन करने के लिए उन्हें प्राकृतिक आपदा प्रबंधन कानून के तहत दो साल की सजा भी दी गई।

पीएम मोदी के बयान पर मुलायम सिंह ने ली चुटकी

नई दिल्ली (ईएमएस)।समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव लंबे समय बाद सोमवार को पार्टी कार्यालय पहुंचे और नेताओं व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान मुलायम सिंह ने बिना पीएम मोदी का नाम लिये उनके लाल टोपी पर दिये बयान पर चुटकी ली। मुलायम सिंह ने कहा कि बीजेपी के सबसे बड़े नेता लाल टोपी से परेशान हो गए हैं। वह कहते हैं कि समाजवादी पार्टी की लाल टोपी खतरनाक है। मुलायम ने कार्यकर्ताओं में जोश जगाते हुए कहा कि आप जो कर रहे हैं, बिल्कुल ठीक कर रहे हैं। कुछ दिन पहले गोरखपुर में पीएम मोदी ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि लाल टोपी वाले यूपी के लिए रेड अलर्ट हैं। इन्हें सिर्फ लाल बत्ती के लिए सत्ता चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा था कि आज पूरा यूपी जानता है कि लाल टोपी वालों को सिर्फ लाल बत्ती से मतलब रहा है। पीएम मोदी के बयान के बाद सियासत गरमा गई थी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ ही आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी इस पर पलटवार किया था। अब मुलायम सिंह यादव ने बिना नाम लिए पीएम मोदी पर हमला किया है। मुलायम ने कहा कि बीजेपी के सबसे बड़े नेता लाल टोपी से परेशान हैं, इसका मतलब बै कि आप लोग सही काम कर रहे हैं। अब हमें पूरी ताकत के साथ जुट जाना है। प्रदेश में हमारी सरकार बनानी है। अगली सरकार सपा की होगी। मुलायम सिंह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोगों को आपसे काफी उम्मीदें हैं। हम लोगों ने पिछली सरकार के दौरान भी जो भी वादा किया था, उसे पूरा किया है। चाहे महिलाओं को पेंशन देने का मामला हो या नौजवानों को नौकरी देने का मामला, समाजवादी पार्टी ने अपने सारे वादे पूरे किये हैं। मुलायम ने कहा कि आपके इलाके के लोग आपसे उम्मीद लगाए हैं। आप लोग बहुत ही हिम्मत और गंभीरता के साथ विचार करो। लोगों को उम्मीद है कि समाजवादी पार्टी आएगी तो हमारे देश का विकास होगा। इलाके का विकास होगा। लोगों की उम्मीद पर हमें खरा उतरना है। जनता को उम्मीद है कि समाजवादी पार्टी आएगी तो नौजवानों को रोजगार मिलेगा, समाज का उत्थान होगा, किसान को लाभ होगा, देश का विकास होगा, हमारी पहले की सरकार ने सभी वादे पूरे किए थे।

पीएम ने काशी विश्वनाथ धाम कर्मियों को भेजे 100 जोड़ी जूट के जूते

-ताकि सेवा कार्य कर रहे लोगों को इस ठंड में नंगे पांव न रहना पड़े

नई दिल्ली(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए 100 जोड़ी जूट के जूते भेजे हैं। प्रधानमंत्री काशी विश्वनाथ धाम में कार्यों पर लगातार नजर बनाए रखते हैं और वहां की रिपोर्ट भी लेते रहते हैं। अपने संसदीय क्षेत्र को करोड़ों रुपए की परियोजनाएं देने और पूर्ण होने वाली परियोजनाओं का शिलान्यास करने के लिए भी पीएम वाराणसी का दौरा करते रहते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में जब पीएम मोदी काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का उद्घाटन करने के लिए गए थे तो उन्होंने वहां कर्मचारियों को ठंड के इस मौसम में भी नंगे पांव काम करते हुए देखा। इसका कारण पूछने पर उन्हें पता लगा कि मंदिर परिसर में लेदर और रबड़ के जूते पहनना वर्जित है, इसलिए इन्हें नंगे पांव ही कार्य करना पड़ रहा है। इसी वजह से मंदिर के पुजारियों, पूजा और दर्शन कार्य में लगे अन्य कर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और सफाईकर्मियों के साथ-साथ मंदिर परिसर में कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों को नंगे पांव ही सेवा कार्य करना पड़ रहा था। कारण जानने के बाद प्रधानमंत्री ने जूट के 100 जोड़ी जूते मंगवा कर काशी विश्वनाथ भेज दिए ताकि काशी विश्वनाथ धाम में सेवा कार्य कर रहे लोगों को इस ठंड में नंगे पांव न रहना पड़े। जाहिर तौर पर प्रधानमंत्री की तरफ से मिले इस तोहफे को पाकर काशी विश्वनाथ धाम में कार्य कर रहे लोग काफी खुश हैं।

गोवा के मंत्री माइकल लोबो के बाद विधायक प्रवीण जान्त्ये ने भी भाजपा छोड़ी

पणजी (ईएमएस)। गोवा के मंत्री माइकल लोबो के बाद अब राज्य से एक और विधायक ने प्रवीण जान्त्ये ने सोमवार को पार्टी और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। हालांकि बीजपी की गोवा इकाई ने कहा है कि ऐसे कदमों से 14 फरवरी को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि 'कुछ दलबदलू' सुशासन के एजेंडे को प्रभावित नहीं कर सकते। उन्होंने विश्वास जताया कि गोवा की जनता एक बार उनकी पार्टी के लिए मतदान कर उसे एक और कार्यकाल के लिए सत्ता में लाएगी।

कलंगुट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे और राज्य बंदरगाह तथा अपशिष्ट प्रबंधन विभागों का प्रभार संभाल रहे लोबो ने सोमवार सुबह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) एवं गोवा विधानसभा के अध्यक्ष को भेज दिया।सूत्रों के अनुसार, वह कांग्रेस में शामिल हो सकते

जन हितैषी

दवाई भी, ढिलाई भी

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर दुनिया ही नहीं, भारत में भी चिंता बढ़ गई है। सरकारी स्तर पर इससे निपटने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में अब संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख को पार कर गया है। इस बीच एक राहत की खबर भी आई है, वह कोरोना से बचाव के कवच को लेकर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया है कि देश में कोरोना वैक्सीन का आंकड़ा 150 करोड़ पार कर गया है। प्रधानमंत्री ने कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के दूसरे परिसर का उद्घाटन करने के बाद कोरोना पर भी बात की। पीएम मोदी ने बताया कि देश में अब तक कोरोना की 150 करोड़ वैक्सीन खुराक लगाई जा चुकी है। वह बोले कि कोरोना पिछले 100 साल की सबसे बड़ी महामारी है। पीएम ने कहा कि साल की शुरुआत देश ने 15 से 18 साल की उम्र के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन से की है। इसके साथ साल के पहले महीने के पहले हफ्ते में ही 1.5 बिलियन वैक्सीन डोजे का इतिहास रच दिया है। आज भारत की वयस्क जनसंख्या में से 90 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की एक डोज लग चुकी है। सिर्फ 5 दिन के भीतर ही डेढ़ करोड़ से ज्यादा बच्चों को भी वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी है। ये उपलब्धि पूरे देश की है, हर सरकार की है। इससे पहले भारत ने कोविड टीकाकारण की 100 करोड़ डोज का आंकड़ा पूरा कर इतिहास रच दिया था। यह कामयाबी महज नौ महीने में हासिल की गई थी। भारत के टीकाकरण इतिहास में इतने कम समय में सौ करोड़ का आंकड़ा कभी पार नहीं किया। कोरोना वैक्सीन के मामले में खास बात है कि भारत ने खुद बहुत कम समय में दो-दो वैक्सीन बनाई और रिकार्ड कम समय में सौ करोड़ लोगों को टीके की डोज लगवाई। भारत ने यह तब कर दिखाया, जब कोविड वायरस के बारे में विश्वभर में ज्यादा जानकारी नहीं थी। अब यह आंकड़ा 150 करोड़ को पार कर गया है। देश के लिए यह गौरव का क्षण है। कोरोना के चलते सुस्त हुई अर्थव्यवस्था के बावजूद पीएम मोदी की सरकार ने टीके की रिसर्च से लेकर निर्माण व टीकाकरण तक बजट की कमी नहीं होने दी। आम बजट में कोरोना टीकाकरण के लिए अलग से आवंटन कर सरकार ने अपना इरादा जता दिया था कि कोविड के खिलाफ जंग में धन की कमी आड़े नहीं आने वाली है। कोविड टीकाकरण अभियान में सरकार के सामने कई चुनौतियां थीं। इस उपलब्धि के बाद भी हालांकि खतरा अभी टला नहीं है। इसमें संदेह नहीं कि टीका महामारी से बचाव का बड़ा हथियार साबित हुआ है। टीका लगवा चुके लोगों को अगर संक्रमण हो भी रहा है तो वे गंभीर स्थिति में जाने से बच जाते हैं। लेकिन जिन लोगों ने टीका नहीं लगवाया है, उनके संक्रमित होने का जोखिम कहीं ज्यादा है। अब देश के ज्यादातर हिस्सों में ओमिक्रॉन का कहर बरप रहा है। कई राज्यों में स्थिति खतरनाक हो गई है। राज्य सरकारों ने प्रतिबंधों का दौर शुरू कर दिया है। अमेरिका से भारत तक कोरोना के बढ़ते मामले हमें चिंता में डालने लगे हैं। पिछले सप्ताह से भारत में कोरोना संकट तेजी से बढ़ने लगा है। गनीमत है, मरने वालों की संख्या कम है। यह आंकड़ा बढ़ना नहीं चाहिए। ओमिक्रॉन के मामले अभी भी कम हैं, लेकिन क्या डेल्टा का हमला फिर तेज हुआ है? डेल्टा क्या दूसरी लहर के समान ही घातक है? आने वाले दिनों में जब और आंकड़े सामने आएंगे, तब पता चलेगा। तीसरी लहर अगर शुरू हो गई है, तो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए जिम्मेदार लोगों को विशेष रूप से सक्रिय हो जाना चाहिए। हम कैसे भुला दें, पिछले वर्ष मई में दूसरी लहर के समय प्रतिदिन चार लाख से ज्यादा मामले आने लगे थे और प्रतिदिन लगभग चार हजार लोग जान गंवा रहे थे। आज जरूरी है, उस बेहद बुरे दौर को याद कर लिया जाए और हर स्तर पर यथोचित तैयारी रखी जाए। विशेषज्ञों की नजर में फिलहाल राहत यही है कि ज्यादातर लोगों का इलाज घरों में ही चल रहा है और अस्पतालों पर दबाव बढ़ना नहीं शुरू हुआ है। फिर भी समय रहते सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी मरीज को बिस्तर या ऑक्सीजन से वंचित न रहना पड़े। इस बार अगर किसी तरह की चूक हुई, तो अक्षम्य होगी। दूसरी लहर की तमाम खामियों, लापरवाहियों से हमने क्या सीखा है, यह सामने आने वाला है। ऐसे विशेषज्ञ सही सिद्ध होने चाहिए, जो तीसरी लहर के कम घातक होने का अनुमान लगा रहे हैं। तीसरी लहर को रोकने में टीकाकरण का कितना योगदान है, यह भी आने वाले दिनों में पता चलेगा। एक खतरा यह भी है कि अगर टीकाकरण के बावजूद लोग बड़ी संख्या में संक्रमित हुए, तब लोगों का टीकों पर से विश्वास उठ जाएगा। अपने देश में अभी ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जो टीकों के लिए सहर्ष सामने नहीं आ रहे हैं। लेकिन टीके से भी ज्यादा जरूरी है कि अपनी सुरक्षा के लिए सचेत रहना। याद रखें, पूर्ण रूप से टीकाकरण के बावजूद इजरायल भी चिंता में है और अमेरिका में तो कोरोना की नई लहर आ गई है। भारत को हर तरह से सचेत रहकर कोरोना महामारी से लड़ना है और साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि फिर से लॉकडाउन की नौबत न आने पाए।

देश की सुरक्षा तार -तार, कौन जिम्मेंदार ?

पंजाब जहां इसी वर्श हाल हीं में विधानसभा चुनाव होने वाले है, आयोजित रैली को संबोधित करने हेतु मार्ग से जाते हुये प्रधानमंत्री के काफिले के सामने आये प्रदर्शनकारियों के कारण पैदा हुये अवरोध के चलते बिना रैली को संबोधित किये प्रधानमंत्री को वापिस लौटना पड़ा। इस हालात को लेकर देष की राजनीति गरमा गई है। पंजाब में कांग्रेस की सरकार है,जहां षीघ्र ही विधानसभा चुनाव होने वाले है। इस हालात पर भाजपा कांग्रेस को घेरने का प्रयास कर रही है तो कांग्रेस बचाव का रास्ता ढूंढ़ रही है। इस सियासत की राजनीति के चक्रव्यूह में देष की सुरक्षा फंस चुकी है। जहां से साजिस की भी बू आ रही है।

इस मसले पर पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने साफ तौर पर अपना पक्ष उजागर करते हुये कहा कि सरकार मिलकर काम करती है, हम प्रधानमंत्री का आदर करते है । प्रधानमंत्री की सुरक्षा में राज्य सरकार की ओर से कोई चूक नहीं हुई है। प्रदर्शनकारी षांतिपूर्ण तरीके से प्रधानमंत्री से मिलना चाहते थें, प्रशासन ने रास्ता खाली करने की भरपूर कोषिष की। उनपर लाठी गोली चलाकर लाठी गोली की सरकार हम नहीं बनना चाहते। वारिष होने के कारण पूर्व में कार्यक्रम रद्द करने का अनुरोध भी किया गया पर ऐसा नहीं हो सका। कोविड पॉजिटिव के सम्पर्क में आने के कारण मेरा आना संभव नहीं हो सका। प्रधानमंत्री को वापिस लौटना पड़ा, जानकर दुःख हुआ। प्रधानमंत्री के काफिले पर कोई हमला नहीं हुआ। सुरक्षा को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई है, इस मामले में सरकार हर तरह के जांच के लिये तैयार है।

श्री बिट्टा ने इस मसले को गंभीर बताते हुये भाजपा एवं कांग्रेस दोनों को एक दूसरे पर आरोप लगाने की राजनीति को तत्काल बंद कर सुरक्षा में हुई लापरवाही के सही तथ्य को उजागर करने की बात करते हुये कहा कि देष पहले ही सुरक्षा में हुई लापरवाही के चलते देष के दो प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी को खो चुका है, इस तरह की अनहोनी किसी और प्रधानमंत्री के साथ न घटे,इसका ख्याल रखा जाना चाहिये। चुनाव तो देष में होते ही रहेंगे पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोताही नहीं बरतना चाहिए।

देश के प्रधानमंत्री की यात्रा से जो मामला जुड़ा हो, निष्चित तौर पर देष की अस्मिता से जुडा प्रसंग होता है जहां सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही न होनी चाहिए, न इस मामले में राजनीति होनी चाहिए। प्रधानमंत्री की यात्रा केन्द्र से जुड़ा मसला होता है जहां सुरक्षा के मामले में गृह मंत्रालय हर तरह से जिम्मेदार होता है। पंजाब की प्रधानमंत्री यात्रा सियासत का एक अंग बन चुकी है। जहां हर मामले को वहां होने वाले विधानसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में आंका जा रहा है। इस तरह की उभरती पृश्ठभूमि देष की अस्मिता को चुनौती देती है। प्रधानमंत्री की यात्रा को कभी भी राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर पंजाब में जो कुछ घटा, जहां प्रधानमंत्री को बीच रास्ते से लौटना पड़ा, इस तरह के परिवेष का देष के बाहर प्रतिकूल असर पड़ा है जिसे नकारा नहीं जा सकता। इस पर देष में राजनीति नहीं होनी चाहिए । सियासत के लिये प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर की जा रहीं राजनीति देष को गंभीर संकट में डाल सकती है। इस तरह का परिवेष देषहित में कदापि नहीं हो सकता। सुरक्षा तार - तार हुई तो कोई तो जिम्मेदार है ही। देष की सुरक्षा आज सियासत और साजिष के बीच उलझ गई है। जो अच्छी बात नहीं। (लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

अभी मीलों चलना बाक़ी है...

हमारे देश में महिला समानता की बातें बड़े जोर- शोर से की जाती है और इस मसले को हवा देने में सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक कोई भी दल पीछे नहीं रहता। हत्रलिया दौर में होने जा रहें उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव को ही ले लीजिए। कांग्रेस ने लड़की हूँ, लड़ सकती हूं का स्लोगन दिया है तो वहीं भाजपा के महिलाओं को लेकर अपने दावे हैं। लेकिन इसी बीच जो एक कड़वी सच्चाई निकलकर आई है। आख़िर उससे मुँह कौन फेर सकता है? जी हां महिला समानता की बातें सिर्फ़ बातें हैं, लेकिन ज़मीनी हक़ीकत कुछ और ही बयां करती है। अभी हाल ही में संसद में महिलाओं के लिए एक अहम विधेयक पारित किया गया। जिसमें महिलाओं की शादी की उम्र को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष तक किए जाने की वकालत की गई है। ऐसे में विडंबना देखिए जिन 31 सदस्यों की समिति को इस विधेयक की जांच पड़ताल का ज़िम्मा सौंपा गया उनमें मात्र एक महिला प्रतिनिधि मौजूद है। ऐसे में जब महिलाओं के सम्बंध में लिए जाने वाले निर्णयों में ही अब महिला सदस्यों की मौजूदगी नहीं रहेगी तो फिर कैसे बेहतर विकास की इबारत लिखना सम्भव हो पाएगा? यह सवाल स्वयंमेव उठ खड़ा होता है और सवाल यह भी कि क्या महिलाओं से सम्बंधित निर्णय लेने के अधिकार भी महिलाओं को नहीं है? इतना ही नहीं सवाल तो यह भी उठ रहे हैं कि क्या संसदीय व्यवस्था में भी महिलाओं के प्रतिनिधित्व की अहमियत भी अब खत्म हो गई है?

गौरतलब हो कि जब महिलाएं ही निर्णायक समिति में मौजूद नही रहेगी तो महिलाओं के हक़ की बात महज ढकोसला बनकर ही रह जाएगी। वैसे भारतीय राजनीति की ही बात करें तो उच्च पदों पर महिलाओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। आज़ादी के 75 वर्षों में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत भी नहीं बढ़ सका है और तो और अब इसे दुर्भाग्य नहीं तो ओर क्या कहेंगे कि अब तक महिलाओं के संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण बिल को लोकसभा में पारित नहीं किया गया है। वहीं केंद्र सरकार बाल विवाह निषेध (संशोधन) अधिनियम 2021 को दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में लेकर आई थी और इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए विवाह करने की न्यूनतम कानूनी उम्र को 18 से बढ़ा कर 21 करना था। अधिनियम का काफी विरोध देखने के बाद सरकार ने इसे राज्य सभा की शिक्षा, महिलाओं, बच्चों, युवाओं और खेल की स्थायी समिति के पास भेज दिया गया। समिति में अलग-अलग पार्टियों से राज्य सभा के 10 और लोक सभा के 21 सांसद हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि 31 सदस्यों की इस सूची में सिर्फ एक महिला सांसद हैं और वह तृणमूल कांग्रेस से राज्य सभा की सदस्य सुष्मिता देव हैं। ऐसे में सवाल यही कि क्या अब महिलाओं के प्रतिनिधित्व की अहमियत और महिलाओं के हक के फैसले भी पुरुष सांसद ही करेंगे?

वैसे किसी भी समाज की धुरी स्त्री और पुरुष दोनों होते हैं। ऐसे में अगर कोई एक पक्ष कमजोर पड़ा तो देश का विकास प्रभावित हो जाएगा, लेकिन यहां स्थिति शायद कुछ दूसरी ही है। बाल विवाह संशोधन विधेयक महिलाओं की बेहतरी के लिए लाया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लाए गए इस विधेयक में विवाह की उम्र को 18 वर्ष से 21 वर्ष करने की बात कही गई है। जो कहीं न कहीं महिलाओं के पक्ष में है। लेकिन इसके लिए वकालत करने वाली कमेटी पुरुषवादी वर्चस्व से ग्रसित है। वही इस समिति की एक मात्र टीएमसी महिला सांसद सुष्मिता देव ने भी इस बात को माना है कि महिलाओं से सम्बंधित विधेयक समिति में महिलाओं की मौजूदगी को बढ़ाया जाना चाहिए। देश में आधी आबादी को पूरा हक देने की बात देश में काफी लंबे समय से की जा रही है और इस दिशा में कई क़दम भी उठाए गए है। लेकिन आज भी महिलाओं को समता, समानता का हक़ नहीं मिल पाया है और 31 लोगों की समिति इसी तथ्य को उजागर करती है। मालूम हो कि पितृसत्तात्मक आधिपत्य के कारण महिलाओं के साथ भेदभाव होता आ रहा है। यहां तक कि घरेलू मामलों में भी महिलाओं को फैसला लेने की अनुमति नहीं दी जाती है और आज भी विवाह जैसे अहम फ़ैसले में लड़कियों की पसंद को तवज्जों तक नहीं दी जाती है। यहां तक कि समान शिक्षा के अधिकार से भी वंचित रखा जाता है।

बात भारत के संदर्भ में करे तो महिला विधायकों की स्थिति निराशाजनक है। मात्र 9 फ़ीसदी महिला विधायकों का होना इस बात की और साफ़ संकेत करता है कि अभी समानता के लिए देश में मीलों का सफ़र तय करना होगा। राजनीति एक प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र है जिसमें आज भी पुरुषों का वर्चस्व है। ये सच है कि दशकों से लैंगिग समानता के लिए वैश्विक स्तर पर नीतियां बनाई जा रही है। पर धरातल पर तस्वीरें धुंधली नज़र आती है। वर्तमान दौर में राजनीति में महिलाओं की भागीदारी नहीं बढ़ी तो वह दिन दूर नहीं जब तालिबानी शासन का बोलबाला होगा और जहां महिलाओं को राजनीति तो दूर शिक्षा तक का अधिकार नहीं दिया जाएगा। मालूम हो कि इतिहास साक्षी है कि विश्व में जब-जब महिलाओं ने नेतृत्वकारी भूमिका का निर्वहन किया है तब-तब विकास की नई इबारत लिखी गई है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां महिलाओं ने अपनी छाप न छोड़ी हो। कोरोना काल में जब विश्व भयंकर त्रासदी झेल रहा था तब न्यूज़ीलैंड दुनिया का पहला देश बना जहां प्रधानमंत्री जेसिका अर्डन ने अपने कुशल नेतृत्व से कोरोना मुक्त देश की इबारत लिखी। 2019 में ही जब न्यूजीलैंड के एक शहर की मस्जिदों पर ईसाई आतंकी ने हमला किया। तब उनकी सजगता और मार्मिक निर्णय ने लोगों का दिल जीत लिया था। यह कोई पहला उदाहरण नहीं जब महिलाओं ने अपने साहस और सूझबूझ से दुनिया फ़तह की हो। बल्कि इसिहास में महिलाओं के शौर्य और कीर्ति के किस्से भरे पड़े है। लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि महिलाओं को अपनी काबिलियत साबित करना पड़ता है। जो महिलाएं सृजन कर सकती है वह कमज़ोर तो कतई नहीं हो सकती है और यह हमारा समाज जितनी जल्दी समझ सकें उतना ही बेहतर है।

एक आंकड़े की बात करें तो एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल 4,120 विधायकों में से सिर्फ नौ प्रतिशत विधायक महिलाएं हैं। पार्टियां महिलाओं को चुनाव लड़ने का अवसर भी कम देती हैं। इतना ही नहीं चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 2002 से 2019 तक लोकसभा चुनावों में लड़ने वाले उम्मीदवारों में से 93 प्रतिशत उम्मीदवार पुरुष थे और इसी अवधि में विधान सभा चुनावों में यह आंकड़ा 92 प्रतिशत था। ऐसे में महिलाएं आगे कैसे बढ पाएगी, जब निर्णय की क्षमता उनके पास नहीं? यह अपने आपमें बड़ा सवाल है। वहीं उम्र निर्धारण करने संबंधी बिल पर संसद की संसदीय समिति की पहली बैठक जनवरी के अंतिम हफ्ते में होने की संभावना है और संसद के अगले मॉनसून सत्र तक इसे संसद के पटल पर पेश किए जाने की पूरी संभावना है और इस मुद्दे ने भारतीय संसदीय व्यवस्था में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के संकट को एक बार फिर रेखांकित किया है। इंटर पार्लियामेंटरी यूनियन के मुताबिक वैसे भी राष्ट्रीय संसदों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में पूरी दुनिया में भारत का 148वां स्थान है और इस सूची में चीन 46वें स्थान पर तो वहीं बांग्लादेश 111वें और पाकिस्तान 116वें स्थान पर हैं। गौरतलब हो कि इतना ही नहीं भारतीय संसद के दोनों सदनों में कुल मिलाकर 788 सदस्य हैं जिनमें से सिर्फ 103 महिलाएं हैं, यानी सिर्फ 13 प्रतिशत। राज्य सभा के 245 सदस्यों में से सिर्फ 25 महिलाएं हैं, यानी लगभग 10 प्रतिशत और लोक सभा में 543 सदस्यों में से सिर्फ 78 महिलाएं हैं, यानी 14 प्रतिशत। कुल-मिलाकर देखें तो स्थिति महिलाओं के मामले में बेहतर नहीं है और इसमें सुधार के लिए अभी कोई प्रयास होता नहीं दिख रहा, जो एक चिन्तन योग्य विषय है। (लेखिका-सोनम लववंशी / ईएमएस)

छोटे कद के बड़े नेता थे शास्त्री जी

(11 जनवरी पुण्य तिथि पर विशेष)

लाल बहादुर शास्त्री के मन में बचपन से देश भक्ति की भावना भरी थी। अपनी इसी भावना के चलते उन्होने राष्ट्रीय स्तर पर कुछ करने का मन बना लिया था। जब गांधी जी ने देशवासियों से असहयोग आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया था उस समय शास्त्रीजी केवल सोलह वर्ष के थे। महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होने अपनी पढ़ाई छोड़ देने का निर्णय कर लिया था। उनके इस निर्णय ने उनकी मां की उम्मीदें तोड़ दीं। उनके परिवार ने उनके इस निर्णय को गलत बताते हुए उन्हें रोकने की बहुत कोशिश की लेकिन वे इसमें असफल रहे।

लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से सात मील दूर रेलवे टाउन मुगलसराय में हुआ था। उनके पिता एक स्कूल शिक्षक थे। जब लाल बहादुर शास्त्री केवल डेढ़ वर्ष के थे। तभी उनके पिता का देहांत हो गया था। उनकी मां अपने तीनों बच्चों के साथ अपने पिता के घर जाकर बस गईं। उस छोटे-से शहर में लाल बहादुर की स्कूली शिक्षा कुछ खास नहीं रही। उन्हें वाराणसी में चाचा के साथ रहने के लिए भेज दिया गया था। ताकि वे उच्च विद्यालय की शिक्षा प्राप्त कर सकें। घर पर सब उन्हें नन्हे के नाम से पुकारते थे।

बड़े होने के साथ-ही लाल बहादुर शास्त्री विदेशी दासता से आजादी के लिए देश के संघर्ष में अधिक रुचि रखने लगे। वाराणसी के काशी विद्या पीठ में अध्ययन के दौरान शास्त्री जी महान विद्वानों एवं राष्ट्रवादियों के प्रभाव में आए। विद्या पीठ द्वारा उन्हें प्रदत्त स्नातक की डिग्री का नाम 'शास्त्री' था। शास्त्री की उपाधी उनके नाम के साथ ऐसे जुड़ी कि जीवन पर्यन्त वो शास्त्री के नाम से ही जाने गये। 1927 में मिर्जापुर की ललिता देवी से उनकी शादी हो गई।

संस्कृत भाषा में स्नातक स्तर तक की शिक्षा समाप्त करने के पश्चात् वे भारत सेवक संघ से जुड़ गये और देशसेवा का व्रत लेते हुए यहीं से अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत की। शास्त्रीजी सच्चे गान्धीवादी थे। जिन्होंने अपना सारा जीवन सादगी से बिताते हुये गरीबों की सेवा में लगाया। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों व आन्दोलनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रहती थी। परिणामस्वरूप उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। स्वाधीनता संग्राम के जिन आन्दोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही उनमें 1921 का असहयोग आंदोलन, 1930 का दांडी मार्च तथा 1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन उल्लेखनीय हैं। उन्होंने कई विद्रोही अभियानों का नेतृत्व किया एवं कुल सात वर्षों तक ब्रिटिश जेलों में रहे।

शास्त्रीजी के राजनीतिक दिग्दर्शकों में पुरुषोत्तमदास टंडन, पण्डित गोविंद बल्लभ पंत, जवाहर लाल नेहरू शामिल थे। 1929 में इलाहाबाद आने के बाद उन्होंने टंडनजी के साथ भारत सेवक संघ की इलाहाबाद इकाई के सचिव के रूप में काम करना शुरू किया। इलाहाबाद में रहते हुए ही नेहरूजी के साथ उनकी निकटता बढ़ी। इसके बाद तो शास्त्रीजी का कद निरन्तर बढ़ता ही चला गया और वे लगातार सफलता की सीढियां चढते गये।

भारत की स्वतन्त्रता के पश्चात शास्त्रीजी को उत्तर प्रदेश में संसदीय सचिव नियुक्त किया गया था। गोविंद बल्लभ पंत के मन्त्रिमण्डल में उन्हें गृह एवं परिवहन मन्त्रालय सौंपा गया। परिवहन मन्त्री के कार्यकाल में उन्होंने प्रथम बार महिला बस कण्डक्टरों की नियुक्ति की थी। गृह मन्त्री होने के बाद उन्होंने भीड़ को नियन्त्रण में रखने के लिये लाठी की जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारम्भ करवाया। 1951 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव नियुक्त किये गये।

उन्होंने 1952, 1957 व 1962 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत से जिताने के लिये बहुत परिश्रम किया। 1952 में वो पंडित नेहरु के मंत्री मंडल में रेलमंत्री बने। 1956 में केरल राज्य के अरियालुट में एक बहुत बड़ी रेल दुर्घटना हो गयी। उस दुर्घटना में 150 लोगों की मौत हो गयी थी। इस घटना से शास्त्री को बहुत दुःख हुआ। उन्होने रेल मंत्री होने के नाते रेल हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 1960 में उन्हे गृहमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गयी। 1962 में हुये चुनाव में भी वो पुनः लोकसभा में चुनकर आये और फिर देश के गृहमंत्री बने।

27 मई 1964 को जवाहरलाल नेहरू का देहावसान हो जाने के कारण शास्त्रीजी को देश का प्रधानमन्त्री बनाया गया। उन्होंने 9 जून 1964 को भारत के प्रधान मन्त्री का पद भार ग्रहण किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में ही कहा था कि उनकी शीर्ष प्राथमिकता खाद्यान्न के मूल्यों को बढने से रोकना है और वे ऐसा करने में सफल भी रहे। उनकी कार्यप्रणाली सैद्धान्तिक न होकर पूर्णतः व्यावहारिक और जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप होती थी।

उनके शासनकाल में 1965 का भारत पाक युद्ध शुरू हो गया। इससे तीन वर्ष पूर्व चीन का युद्ध भारत हार चुका था। युद्ध के दौरान देश के तीनों सेना प्रमुखों ने उनको सारी वस्तुस्थिति समझाते हुए पूछा क्या हुक्म है? शास्त्रीजी ने एक वाक्य में तत्काल उत्तर दिया कि आप देश की रक्षा कीजिये और मुझे बताइये कि हमें क्या करना हैं। शास्त्री जी के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी।

ताशकन्द में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद 11 जनवरी 1966 की रात में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। उनकी मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया गया। शास्त्रीजी की मृत्यु को लेकर तरह-तरह के कयास लगाये जाते रहे। लोगों का मत है कि शास्त्रीजी की मृत्यु हार्ट अटैक से नहीं हुई थी। शास्त्रीजी की अन्त्येष्टि पूरे राजकीय सम्मान के साथ दिल्ली में शान्तिवन के आगे यमुना किनारे की गयी और उस स्थल को विजय घाट नाम दिया गया। शास्त्रीजी को उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी के लिये आज भी पूरा भारत श्रद्धापूर्वक याद करता है।

निष्पक्ष रूप से यदि देखा जाये तो शास्त्रीजी का शासन काल बेहद कठिन रहा। उस वक्त पूंजीपति देश पर हावी होना चाहते थे और दुश्मन देश भारत पर आक्रमण करने का मौका ढूंढ़ रहा थे। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने 26 जनवरी 1965 को देश के जवानों और किसानों को अपने कर्म और निष्ठा के प्रति सुदृढ़ रहने और देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से 'जय जवान, जय किसान ' का नारा दिया था। यह नारा आज भी भारतवर्ष में लोकप्रिय है। उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी के लिये मरणोपरान्त 1966 में उन्हे भारत रत्न से सम्मानित किया गया। (लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

आज का इतिहास 11 जनवरी

1613 जहांगीर को ईस्ट इंडिया कंपनी को सूरत में कारखाने लगाने की अनुमति दी.
1569 इंग्लैंड में पहली लॉटरी का शुभारंभ हुआ.
1681 ब्रेडेनबर्ग और फ्रांस के बीच रक्षा गठबंधन हुआ.
1753 स्पेन नरेश जोकिन मुरात ने नेपोलियन बोनापार्ट का साथ छोड़ दिया.
1866 आस्ट्रेलिया जाते समय लंदन नामक जहाज में हुई दुर्घटना में 231 व्यक्ति डूब गए.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने कुआलालंपुर पर कब्जा किया.
1943 ब्रिटेन और अमरीका ने चीनी क्षेत्र में अपना दावा वापस ले लिया.
1945 यूनानी गृहयुद्ध में संघर्ष विराम हुआ.
1955 भारत के अखबारी कागज का उत्पान शुरू हुआ.
1962 हिमस्खलन से पेरुवियन एंडेस गांव में तीन हजार मौतें.
1966 प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का निधन ताशकंद में हुआ.
1970 अलग हुआ बियाफ्रा राज्य नाईजारियाई सरकार के हमले को नहीं झेल पाया और आत्म समर्पण कर दिया.
1973 बांगलादेश को पूर्वी जर्मनी ने मान्यता दी.
1993 सुरक्षा परिषद ने खाड़ी युद्धविराम का उल्लंघन करने के लिए चेतावनी दी.
1995 कार्टहेना,कोलम्बिया में विमान दुर्घटना में 52 व्यक्ति मारे गए.
1999 शहरी भूमि सीमा कानून निरस्त.
2002 पेट्रोल व डीजल के दामों में कमी. ट्राई ने बीएसएनएल को एसटीडी दरों में कमी की मंजूरी दी.
2004 अहमदाबाद बलात्कार कांड का आरोपी दिल्ली के नर्सिंग होम से गिरफ्तार.
2005 रिलायंस ने बीएसएनएल को 84 करोड़ रुपए चुकाए.

दैनिक पंचांग

11 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

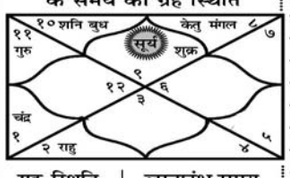

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.00 बजे से
चंद्र	मेष में	कुंभ	08.47 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	10.20 बजे से
बुध	मकर में	मेष	11.50 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	13.30 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.28 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	17.42 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	19.58 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	22.10 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		तुला	00.21 बजे से
		वृश्चिक	02.35 ब.से
		धनु	04.51 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 11 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 14.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 11.10 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 10.55 बजे को समाप्त।
करण कौलव 14.22 बजे तदनन्तर तैतिल 03.33 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 8.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 50'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871125
जूलियन दिन 2459590.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 07

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7164

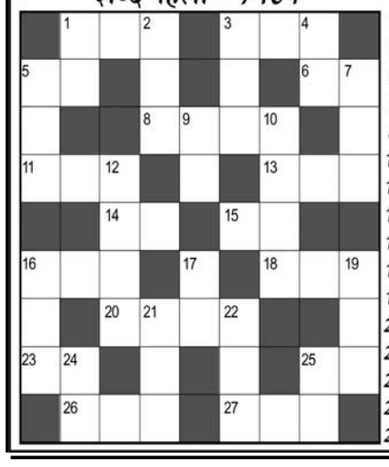

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
3.ध्वज,झंडा-3
5.माहिर,होशियार-2
6.बेल,लतिका-2
8.अस्वीकृत करना-4
11.अदृश्य-3
13.फटकार,धिक्कार-3
14.अधर,होठ-2
15.सलाह,सुझाव-2
16.आश्रय-3
18.अनुमान,अंदाज-3
20.आलता,माहुर-4
23.नासिका-2
25.रहस्य-2
26.रेखा,लाइनू-3
27.परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1.लाख,सौ हजार-2
2.बारीक,सूक्ष्म-3
3.तीन घंटे का समय-3
4.समय,वक्त-2
5.कोतवाल-3
7.बल,जोर,दम-3
9.श्रवणेंद्रिय-2
10.जो लायक न हो-4
12.कृष्ण के बड़े भाई-4
16.दर्पण,शीशा-3
17.नौका -2
19.आसान,सरल-3
21.उपस्थित-3
22.रस से भरा-3
24.बीता हुआ दिन-2
25.रजनी,निशा-2

शब्द पहेली -7163 का हल

■	आ	र	ति	■	अ	ना	मि	का
आ	ना	■	ल	जी	ज	■

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, निफ्टी फिर 18000 के पार पहुंचा

सेसेंक्स 60,395 पर पहुंचा

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक, आईटी, ऑटो, कैपिटल गुड्स, पावर, बैंक और रियल्टी कंपियों के शेयरों के ऊपर आने से आया है। इससे निफ्टी एक बार फिर 18000 के ऊपर पहुंच गया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित मुम्बई शेयर बाजार (बीएसई) सेसेंक्स 650.98 अंक करीब 1.09 फीसदी की बढ़त के साथ ही 60,395.63 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) 190.60 अंक तकरीन 1.07 फीसदी की बढ़त के साथ 18,003.30 के स्तर पर बंद हुआ।

करोबार के दौरान दिग्गज शेयरों के साथ ही छोटे ओर मध्यम शेयरों में उछाल आया है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,649.52 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 1.19 फीसदी की तेजी के साथ 30,388.89 के स्तर पर बंद हुआ है। कारोबार में निफ्टी के 50 में से 35 शेयरों में तेजी देखने को मिली जबकि सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयरों में तेजी हावी रही। बैंक निफ्टी के सभी 12 शेयरों में तेजी दर्ज की गयी है। निफ्टी 18 नवंबर के बाद के ऊपरी स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है।

कारोबार के अंत में सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। पीएसयू बैंक, आईटी, ऑटो, कैपिटल गुड्स, पावर, बैंक, रियल्टी इंडेक्स सभी में 1 से 3 फीसदी बढ़त देखने में आयी। इसके अलावा यूपीएल, हीरो मोटोकॉप , टाइटन , टाटा मोटर्स और मारुति सूजूकी के शेयरों को लाभ हुआ है। वहीं विप्रो , नेस्ले , डेविस लेब और एशियन पेंटस के शेयरों को नुकसान हुआ।

आईसीएआई ने कर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने 31 मार्च तक मांगा समय

नई दिल्ली (ईएमएस)। चार्टर्ड एकाउंटेंट के शीर्ष निकाय आईसीएआई ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से पैदा हुए हालात और नए आईटी पोर्टल के इस्तेमाल में लगातार तकनीकी खामी का हवाला देते हुए जुर्माने के बिना कर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के लिए 31 मार्च तक वक्त मांगा है। इस संबंध में इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जेबी महापात्र को एक ज्ञापन दिया है। आईसीएआई ने अनुरोध किया है कि आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 31 मार्च 2022 तक कर ऑडिट रिपोर्ट और अन्य रिपोर्ट, प्रमाणपत्र दाखिल करने के लिए जुर्माना माफ किया जाना चाहिए। आकलन वर्ष 2021-22 के लिए ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तारीख 15 जनवरी है। आईसीएआई ने कहा कि महामारी के कारण ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने के लिए आंकड़ों को अंतिम रूप देने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। फॉर्म नंबर 3सीईबी की गैर-मौजूदगी और 10सी तथा 10बी जैसे फॉर्म भरने में कठिनाइयां अभी भी जारी हैं।

सोना और चांदी मे गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। सोना और चांदी की कीमत में सोमवार को गिरावट देखने को मिल रही है। जहां सोना आज 60 रुपए प्रति दस ग्राम तक सस्ता हुआ है। वहीं चांदी की कीमत में 150 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिल रही है। 17 महीनों में सोने की कीमत 8800 रुपए प्रति दस ग्राम गिर चुकी है। जबकि चांदी की कीमत 19 हजार रुपए की गिरावट आ चुकी है। विदेशी बाजारों में सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिल चुकी है। सोना 6 डॉलर प्रति ओंस से ज्यादा और चांदी की कीमत 0.53 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। घरेलू वायदा बाजार में सोना सुबह 90 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट के साथ 47362 रुपए प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा था। शुक्रवार को सोना 47452 रुपए प्रति दस ग्राम के साथ बंद हुआ था। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी की कीमत सुबह 250 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 60358 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। शुक्रवार को चांदी की कीमत 60607 रुपए प्रतमि किलोग्राम के साथ बंद हुई थी। वहीं विदेशी बाजारों में सोना और चांदी में गिरावट का माहौल बना हुआ है। कॉमेक्स बाजार में सोना 6 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1791.30 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। जबकि गोल्ड स्पॉट 4.26 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1792.29 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रही है। वहीं चांदी 0.66 फीसदी की गिरावट के साथ 22.26 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रही है।

जुलाई-सितंबर 2021 में रोजगार बढ़कर 3.10 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। श्रम मंत्रालय के तिमाही रोजगार सर्वेक्षण के अनुसार नौ चयनित क्षेत्रों में कुल रोजगार की संख्या जुलाई सितंबर 2021 के दौरान 3.10 करोड़ रही, जो अप्रैल-जून के मुकाबले दो लाख अधिक है। श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने श्रम ब्यूरो द्वारा तैयार तिमाही रोजगार सर्वेक्षण (क्यूईएस) को जारी किया, जिसके मुताबिक अप्रैल से जून, 2021 में नौ चयनित क्षेत्रों में कुल रोजगार की संख्या 3.08 करोड़ थी। ये आंकड़े कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद राज्यों द्वारा लॉकडाउन प्रतिबंधों को हटाने के चलते आर्थिक गतिविधियों में हुए सुधार को दर्शाते हैं। ये नौ क्षेत्र विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्टोरेंट, आईटी, बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) और वित्तीय सेवाएं हैं। यह इस कड़ी की दूसरी रिपोर्ट है। पहली रिपोर्ट अप्रैल-जून 2021 की थी। इस अध्ययन में 10 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को शामिल किया गया। यादव ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि इन अध्ययनों से सरकार को साक्ष्य आधारित नीति बनाने में मदद मिलेगी।

खुदरा व्यापार नीति में कारोबारियों के लिए बीमा योजना!

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति के लिए सार्वजनिक विमर्श शुरू करने पर ?विचार कर रहा है। इसमें चोरी, दुर्घटना या किसी प्राकृतिक आपदा से कारोबारियों की सुरक्षा के लिए एक बीमा योजना बनाई जा सकती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि नीति में कारोबारियों की मदद के लिए उन्हें कम लागत का ऋण सुविधा मुहैया कराने, डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने और उपयुक्त बुनियादी ढांचा तैयार करने के तरीकों की घोषणा की जाएगी। सरकार के इस कदम से खासकर परंपरागत कारोबारियों को मदद मिलने की संभावना है, जिन्हें बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है। इन कारोबारियों की शिकायत है कि ये विदेशी निवेश वाली बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां अवैध कारोबारी हथकंडे अपना रही हैं। यह नीति ऐसे समय लागू की जा रही है, जब सरकार ई-कॉमर्स क्षेत्र में नियम कड़े करने के लिए प्रस्तावित कुछ नियमों में ढील देने के बारे में विचार कर रही है। उद्योग के लॉबी समूह भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और वैश्विक सलाहकार कंपनी कार्नी द्वारा तैयार रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था में खुदरा तीसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद में 12 फीसदी से अधिक सकल मूल्य योगदान है। यह क्षेत्र पांच करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है। अधिकारी ने कहा ?कि प्रस्तावित राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति का मकसद देश में किराना दुकानों को मदद एवं प्रोत्साहन देना और कारोबारियों का कल्याण है। हम कारोबार करने के लिए आवश्यक लाइसेंस की संख्या घटाकर उनका अनुपालन बोझ हल्का करने के तरीके तलाश रहे हैं। पहले से मौजूद एक पेंशन योजना की तरह अन्य तरीका उन्हें किसी दुर्घटना, चोरी या किसी प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए बीमा पॉलिसी हो सकती है। आसानी से ऋण उपलब्धता और कर्ज की कम लागत भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी नीतियों का क्रियान्वयन वित्त मंत्रालय करेगा।

नए साल में एसी और फ्रिज की कीमत बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। कच्चे माल और ढुलाई भाड़े में बढ़ोतरी के कारण टिकाऊ उपभोक्ता सामान कंपनियों ने नए साल में एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर की कीमतें बढ़ा दी हैं। वॉशिंग मशीन भी मार्च 2022 तक 5-10 फीसदी तक महंगा हो सकता है। पैनासोनिक, एलजी और हायर सहित कई कंपनियां पहले ही कीमतों में बढ़ोतरी कर चुकी हैं। सोनी, हिताची, गोदरेज अप्लायंसेज इस तिमाही के अंत तक कीमतें बढ़ा सकती हैं। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) के मुताबिक उद्योग जनवरी-मार्च 2022 तक कीमतों में 5-7 फीसदी की बढ़ोतरी करेगा। एसोसिएशन का कहना है ?कि त्योहारी सीजन की वजह से उद्योग ने मूल्यवृद्धि को टाल दिया था। अब विनिर्माताओं के पास कीमत वृद्धि का बोझ ग्राहकों पर डालने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पैनासोनिक पहले ही अपने एसी की कीमतों में 8 फीसदी तक वृद्धि कर चुकी है। हायर अप्लायंसेज इंडिया ने कहा कि कमोडिटी की बढ़ती कीमतों, वैश्विक ढुलाई भाड़े और कच्चे माल की लागत में भारी वृद्धि के बाद हमने रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन व एसी श्रेणियों में अपने उत्पादों की कीमतों में 3 से 5 फीसदी तक बढ़ोतरी के लिए कदम उठाए हैं। पैनासोनिक इंडिया के डिविजनल एक अ?धिकारी ने कहा कि कमोडिटी के दाम बढ़ने व आपूर्ति संबंधी दिक्कतों की वजह से एसी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। दक्षिण कोरिया की उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी एलजी ने घरेलू उपकरणों की श्रेणी में कीमतों में वृद्धि की है। कंपनी ने कहा कि कच्चे माल और लॉजिस्टिक्स की लागत में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के अ?धिकारी कहते हैं ?कि हमने नवेन्मेषी उपायों के जरिए लागत का बोझ खुद उठाने का भरपूर प्रयास किया। अब कारोबार को टिकाऊ बनाए रखने के लिए कीमतों में वृद्धि करना जरूरी है।

जीएसटीआर-3बी फॉर्म में जल्द ब्याज गणना की सुविधा देगा

मुंबई (ईएमएस)। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) करदाताओं की मदद के लिए मासिक कर भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी फॉर्म में जल्द ब्याज गणना की सुविधा देगा।इससे करदाता विलंबित कर भुगतान के लिए ब्याज की गणना कर सकते।

अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के लिए प्रौद्योगिकी नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली जीएसटीएन ने परामर्श में कहा कि इस नई सुविधा के माध्यम से जीएसटीआर-3बी में करदाताओं द्वारा विशेष कर अवधि के लिए घोषित राशि के आधार पर न्यूनतम ब्याज की गणना होगी।

इसमें कहा गया, करदाताओं को अपने स्तर पर आकलन की सुविधा देने के लिए जीएसटीआर-बी में ब्याज गणक (कैलकुलेटर) की नई व्यवस्था दी जा रही है। इसके माध्यम से करदाता रिटर्न भरने में विलंब होने पर लगने वाले ब्याज की गणना कर पाएंगे।माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून के मुताबिक, कर समय पर अदा करने में विफल रहने पर 18 प्रतिशत ब्याज लगता है। वहीं इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के लिए गैर-वाजिब या अधिक दावा करने पर 24 प्रतिशत का ब्याज लगाया जाता है।

परामर्श में कहा गया कि जीएसटी पोर्टल पर यह सुविधा जल्द उपलब्ध होगी और इससे रिर्टन भरना और सुगम होगा।

अमेरिका को आम और अनार का निर्यात जनवरी-फरवरी में शुरू करेगा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार का कहना है ?कि भारत से अमेरिका को आम और अनार का निर्यात इस साल जनवरी-फरवरी में शुरू हो जाएगा। इससे देश का कृषि निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत से अनार के दानों (पॉमग्रेनेट एरिल) का अमेरिका को निर्यात और अल्फाल्फा चारे तथा चेरी का अमेरिका से आयात भी इस साल अप्रैल से शुरू हो जाएगा। वा?णिज्य मंत्रालय ने कहा कि 23 नवंबर, 2021 को हुई 12वीं भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच की बैठक के अनुरूप कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा अमेरिका के कृषि विभाग (यूएसडीए) ने 2 बनाम 2 कृषि बाजार पहुंच मुद्दों के क्रियान्वयन के लिए रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, आम, अनार और अनार के दानों के निरीक्षण एवं निगरानी तंत्र के तहत भारत से इनके निर्यात और अमेरिका की चेरी और अल्फाल्फा चारे के लिए भारत के बाजार में पहुंच देना शामिल है। आम और अनार का निर्यात जनवरी-फरवरी, 2022 में शुरू होगा और अनार के दानों का निर्यात अप्रैल, 2022 से आरंभ होगा। व्यापार नीति मंच की बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुई थी। भारत ने बीते दो वर्ष से अमेरिका को आम निर्यात नहीं किए हैं।

कराची में हुआ सामूहिक विवाह समारोह, शादी के बंधन में बंधे 70 से ज्यादा हिंदू जोड़े

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान के कराची में रविवार को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। इसमें 70 से ज्यादा हिंदू जोड़े शादी के बंधन में बंधे। सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन पाकिस्तान हिंदू परिषद की ओर से किया गया था। पाकिस्तान हिंदू परिषद के संरक्षक रमेश कुमार वंकवानी ने बताया कि पिछले 14 सालों से परिषद द्वारा गरीब हिंदू परिवारों के लिए सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हो रहा है। सबसे पहले 2008 में 35 हिंदू जोड़ों की शादी कराई गई थी। 72 जोड़ों का विवाह इस आयोजन में हुआ। ज्यादातर जोड़े पाकिस्तान के सिंध से आए थे।

44 लाख हिंदू हैं पाकिस्तान में

पाकिस्तान की 2017 की जनगणना के अनुसार पाकिस्तान में करीब 44 लाख हिंदू हैं। यह यहां की कुल जनसंख्या का 2.14 प्रतिशत है। हालांकि, पाकिस्तान हिंदू परिषद का दावा है कि पाकिस्तान में 80 लाख हिंदू हैं।

पूर्वी अफगानिस्तान में हुआ बड़ा विस्फोट, 9 बच्चों की मौत और चार घायल

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में तालिबानी कब्जे के बाद से अशांति का माहौल है। पूर्वी अफगान में पाकिस्तानी सीमा के पास सोमवार को हुए विस्फोट में नौ बच्चों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। विस्फोट उस समय हुआ जब खाद्य सामग्री बेचने वाली एक गाड़ी ने पूर्वी नगरहार प्रांत के लालोपर जिले में एक पुराने बिना फटे मोर्टार के गोले को टक्कर मार दी।

यह प्रांत तालिबान के प्रतिद्वंद्वियों और इस्लामिक स्टेट समूह का मुख्यालय है। जिसने अगस्त के मध्य में तालिबान के देश पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान के नए शासकों को निशाना बनाते हुए कई हमले किए हैं। हालांकि, आइएस ने 2014 से अफगानिस्तान में दर्जनों भयानक हमले किए हैं और अक्सर देश के अल्पसंख्यक शिया मुसलमानों को निशाना बनाया है।

बता दें कि अफगानिस्तान देश के दशकों के युद्ध और संघर्ष से सबसे लैंड माइंस और अन्य हथियार वाले देशों में से एक है। जब कभी भी हथियारों में विस्फोट होता है, तो अक्सर शिकार यहां के बच्चे होते हैं।

मोदी जी अब राष्ट्रपति बनेंगे और योगी बन जाएं प्रधानमंत्री:राकेश टिकैत

बीजेपी वोट से नहीं जीतने जा रही, यह गड़बड़ी की कोशिश जरूर करेगी

लखनऊ(ईएमएस)। कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल से अधिक समय तक चले किसान आंदोलन का सबसे बड़ा चेहरा रहे राकेश टिकैत की यूपी चुनाव में किस तरह की भूमिका होगी? बीजेपी का विरोध करते हुए क्या वह किसी खास पार्टी को समर्थन देंगे? यूपी चुनाव को लेकर यह बड़ा सवाल बना हुआ है। हालांकि, राकेश टिकैत साफ शब्दों में कुछ भी बोलते हुए बच रहे हैं। लेकिन एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि जनता बीजेपी को वोट नहीं देने जा रही है। उन्होंने इस दौरान तंज कसते हुए यह भी कहा कि मोदी जी अब राष्ट्रपति बनेंगे और योगी को प्रधानमंत्री बन जाना चाहिए।

राकेश टिकैत ने पंचायत चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि बीजेपी जनता के वोट से नहीं जीतने जा रही है, लेकिन यह गड़बड़ी की कोशिश जरूर करेगी। दूसरे दलों के प्रत्याशियों को सचेत करते हुए टिकैत ने कहा, ''इनको (बीजेपी) को कोई वोट नहीं दे रहा है। ये लोग बेईमानी करेंगे। हमने कहा है कि जो लोग चुनाव लड़ रहे हैं वे सचेत रहना, 3-3 वकील तैयार रखना। जब फॉर्म भरे जाएंगे तो यह गड़बड़ करेंगे, पर्चे कैंसल करेंगे। यह हेराभेरी से जीतने की कोशिश करेंगे। जनता की वोट से तो ये जीतेंगे नहीं। जब फॉर्म भरा जाता है, उसमें थोड़ा सा नाम गलत भर दो..., हमने कहा तीन-तीन वकील कर लेना, कौन किसका पर्चा भरता है, यह भी इन्हें पता है, प्रस्तावक रास्ते से गायब हो जाता है। राकेश टिकैत ने गन्ने की कीमत में वृद्धि को लेकर योगी सरकार को तीसरे नंबर पर बताते हुए कहा कि पहले नंबर पर मायावती रहीं, दूसरे पर अखिलेश हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या योगी दोबारा सीएम बनेंगे? टिकैत ने कहा, ''अरे प्रधानमंत्री बन जाने दो, क्यों प्रदेश में उलझाओ इनको, प्रधानमंत्री बनना चाहिए इनको, इसे तो (मोदी) बीच में जाना है, ये प्रधानमंत्री बीच में हटेंगे, इनको बनना है राष्ट्रपति, योगी जी बन जाएंगे वहां (पीएम), प्रदेश अपना खाली हो जाए, यहां कोई और देखेगा। यह पूछे जाने पर कि अभी तो कोविंद राष्ट्रपति हैं? टिकेत ने कहा, ये कितने दिन हैं?

वर्तमान सरकार चुनाव आयोग के निर्देशों की अवहेलना कर रही है - हरीश रावत

देहरादून (ईएमएस)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आरोप लगाया है कि उत्तराखंड में वर्तमान सरकार चुनाव आयोग के निर्देशों की अवहेलना कर रही है।

हरीश रावत ने कहा, ठचुनाव की घोषणा के बाद आबकारी विभाग की ओर से आदेश जारी किए गए। इसके जरिये करोड़ों रुपए का खेल खेला गया। इतना ही नहीं, आबकारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सहकारिता विभाग में चहेतों को पोस्टिंग दी गई। शिक्षा विभाग में खुले तौर पर छुट्टी के दिन 600 से ज्यादा तबादला आदेश जारी किए गए। चुनाव आयोग के पास कांग्रेस ने शिकायत दर्ज कराई है।ठ

कजाखस्तान हिंसा में 164 लोगों की मौत व 2200 घायल, 5800 गिरफ्तार

लंदन (ईएमएस)। कजाखस्तान में माह में शुरू से जारी हिंसा में अभी तक 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 164 लोग मारे गए। हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे देश के सबसे बड़े शहर अलमाटी में 103 लोग मारे गए हैं।मारे गए लोगों में चार साल की एक बच्ची भी शामिल है। हिंसा में शामिल 5800 लोग गिरफ्तार किए हैं। देश के सभी प्रमुख स्थलों की सुरक्षा में रूसी और मित्र देशों के सैनिक तैनात किए गए हैं।राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के बुलावे पर रूस के नेतृत्व वाले गठबंधन के 2500 सैनिक कजाखिस्तान आए हैं। हिंसक घटनाओं में 2200 लोग घायल हैं, 1300 सुरक्षाकर्मी भी हिंसा के शिकार हुए हैं।

अलमाटी में एक इलाके में फायरिंग की आवाज सुनी गई, लेकिन बाकी शहर में शांति रही।हिंसा के दौरान बंद रहा अलमाटी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सेवाएं सोमवार से शुरू होगी हैं। इस बीच सरकार ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से अपने कार्यालय पहुंचकर कामकाज संभालने के लिए कहा है। हिंसा के दौरान कई सरकारी कार्यालयों पर उपद्रवियों ने कब्जा कर लिया था। कुछ सरकारी इमारतों में आग भी लगा दी थी। देश के पश्चिमी इलाके में दो जनवरी को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ आंदोलन शुरू हुआ था।

इसी दौरान पूर्व राष्ट्रपति नूर सुल्तान नजरबायेव के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। राष्ट्रपति टोकायेव ने हिंसा के लिए विदेश में प्रशिक्षित आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया है। राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव के कार्यालय का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों ने प्रशासनिक भवनों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। प्रदर्शनकारियों ने इन भवनों को कब्जे में ले लिया था और इनमें से कुछ में आग लगा दी गई थी।

बीजिंग: 'मानवाधिकारियों' को बड़ा झटका

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में मानवाधिकार का नाम सुनते ही सरकार घबरा जाती है,इसतरह की एक घटना बीजिंग में सामने आई है। मानवाधिकार आंदोलन पर चर्चा करने के लिए चीनी समुद्रतट के पास एकत्र हुए बीस या उससे अधिक वकीलों और कार्यकर्ताओं को अब दोषी ठहरा दिया गया है।2019 में हु बैठक ने बीजिंग को ठअधिकार रक्षाठ आंदोलन को झटका देने का मौका दिया था। जिसमें अब प्रमुख कार्यकर्तायों को कई सालों की सजा हो सकती है।

आपस में मिलना-जुलना, जो कभी चीनी अधिकार प्रचारकों के बीच आम था, जिनपिंग के कठोर शासन के तहत जोखिम भरा हो चुका है। कई पत्रिकाएं, शोध संगठन और समूह जो कभी चीन में स्वतंत्र विचारधारा वाले कार्यकर्ताओं को बनाए रखते थे, उसपर भी कड़े प्रतिबंध लगा दिए गए हैं।सभा में भाग लेने वाले शौकिया संगीतकार ने लॉस एंजिल्स से साक्षात्कार में कहा कि वह 2019 के अंत में विदेश भाग गए जब पुलिस ने विला में शामिल होने वालों को हिरासत में लेना शुरू किया। उन्होंने कहा कि चीन में सीमा पुलिस ने उनकी पत्नी को भी शामिल होने से रोक दिया था।

48 वर्षीय जू और 54 वर्षीय डिंग ने वकीलों से कहा है कि उन्होंने कुछ भी अवैध नहीं किया है, लेकिन पार्टी नियंत्रित अदालत द्वारा उन्हें दोषी ठहरा जाने के बाद 10 साल या उससे भी अधिक की जेल की सजा का सामना करना पड़ेगा। बकले ने कहा कि पश्चिमी सरकारों ने शिनजियांग क्षेत्र में उइगरों की सामूहिक हिरासत पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन जू और डिंग के खिलाफ मुकदमा पूरे चीन में असंतोष के खिलाफ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के गलत अभियान को उजागर करता है। सुरक्षा अधिकारियों ने 2022 में बाद में पार्टी कांग्रेस से पहले किसी भी राजनीतिक विरोध को खत्म करने की कसम खाई है, और शी को शीर्ष नेता के रूप में एक और पांच साल का कार्यकाल हासिल करने के लिए तैयार हैं।

दक्षिण अफ्रीका में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

केपटाउन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस तीसरे मैच को जीतकर दक्षिण अफ्रीका में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतना रहेगा। अभी तक दोनो ही टीम 1-1 से इस सीरीज में बराबरी पर हैं। पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम जीती थी , वहीं दूसरे टेस्ट में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर ला दी थी। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीम पूरी ताकत से उतरेंगी। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली की मैच में वापसी की उम्मीदें हैं। विराट पीठ दर्द के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर थे। जिस प्रकार से विराट ने रविवार को हुए अभ्यास सत्र में भाग लिया उससे उनका खेलना तय माना जा रहा है।

भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज चोट के कारण बाहर हैं, ऐसे में उनकी जगह पर अनुभवी उमेश यादव या इशांत शर्मा में से किसी एक को खेलने का अवसर मिलेगा। विराट अपने 99वां टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन कर आलोचकों को करारा जवाब देना चाहेंगे। अपने प्रदर्शन को लेकर वह पिछले कुछ समय से प्रशंसकों के निशाने पर रहे हैं। विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं। वह कमी भी वह यहां पूरी करना चाहेंगे। जिस प्रकार मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में खेला है उसको देखते हुए भारतीय टीम के लिए यह मैच आसान नहीं रहेगा। इसमें जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कोहली के अलाव चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पुजारा और रहाणे का प्रदर्शन लगातार खराब रहा है और उन्हें अपने को साबित करने एक और अवसर मिला है।

विराट की वापसी से युवा बल्लेबाज हनुमा बिहार को बाहर बैठना पड़ेगा। जोहानिसबर्ग में दो संघर्षपूर्ण पारियों, विशेषकर दूसरी पारी में नाबाद 40 रन बनाने के बाद हनुमा के लिए यह निराशा की बात होगी। विकेटकीपर बल्लेबाज

ऋषभ पंत को भी इस मैच में रन बनाने होंगे। इस सीरीज में अबतक वह विफल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने हाल के महीनों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ आगे बढ़कर खेलते हुए आक्रामकता दिखाई है पर इसका उन्हें अधिक फायदा नहीं मिला है। न्यूलैंड्स की असमान उछाल वाली घास की पिच पर भारतीय बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों कागिसो रबाडा, डुआने ओलिवियर, लुंगी एनगिडी और मार्को जेनसन से सतर्क रहना होगा। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत ने केपटाउट में कभी टेस्ट मैच नहीं जीता है, इसलिए उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को यहां और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पुजारा और रहाणे को दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने के बाद अंतिम एकादश में बरकरार रखा जा सकता है पर अगर वे रन नहीं बनाते तो उनका करियर संकट में आ जाएगा।

इसी तरह युवा लोकेश राहुल और मयंक अग्रवाल को भी दक्षिण अफ्रीका के तूफानी गेंदबाजों के खिलाफ टीम को अच्छी शुरुआत दिलानी होगी। तेज गेंदबाज इशांत भी अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और सिराज के पैर की मांसपेशियों में चोट से उन्हें मौका मिल सकता है हालांकि पिछले छह महीने में वह खराब फॉर्म और चोट से जूझते रहे हैं।

इशांत छह फीट से अधिक की लंबाई के साथ लगातार मेडन फेंकने की क्षमता के कारण उन्हें उमेश यादव पर वरीयता मिलेगी। टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अब तक वह इस सीरीज में पहले की तरह प्रभावी नहीं रहे हैं।

अफगानिस्तान तक सहायता पहुंचाने में भारत की मदद के लिए ईरान तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईरान ने भारत को गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान तक गेहूं, दवाएं व कोरोना वैक्सीन पहुंचाने में मदद करने का प्रस्ताव दिया है।पाकिस्तान के सड़क मार्ग के द्वारा अफगानिस्तान तक मदद सामग्री पहुंचाने के मुद्दे पर इमरान खान सरकार फिलहाल कोई निर्णय नहीं ले सकी है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियन ने अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर के साथ बातचीत के दौरान अफगानिस्तान में समावेशी सरकार के गठन पर भी बल दिया।विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब्दुल्लाहियन ने प्रमुख द्विपक्षीय, क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर जयशंकर के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने ईरान में कोविड टीकाकरण की स्थिति पर भी चर्चा की। जयशंकर ने महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई का जिक्र करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि के बीच टीकाकरण अभियान भी तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पश्चिमी देशों के साथ परमाणु समझौते और प्रतिबंधों में ढील के मुद्दे पर वार्ता के संबंध में अब्दुल्लाहियन ने कहा कि एक 'अच्छे समझौते' की उम्मीद है।

भारत जीवन रक्षक दवाओं और कोविड-19 टीकों की तीन अलग-अलग खेप अफगानिस्तान भेज चुका है और 50,000 टन गेहूं की आपूर्ति का भी वादा किया था। लेकिन, पाकिस्तान के सड़क मार्ग के द्वारा अफगानिस्तान को सहायता पहुंचाने के तौर-तरीके के बारे में इमरान खान सरकार द्वारा फैसला नहीं लिए जाने के कारण अभी गेहूं की आपूर्ति नहीं हो पाई है। भारत के पास ईरान में चाबहार बंदरगाह के जरिये अफगानिस्तान को सहायता भेजने का विकल्प मौजूद है। ईरान व अफगानिस्तान करीब 920 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं।

जयशंकर ने शनिवार को ट्वीट किया था, 'ईरानी विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन से व्यापक बातचीत हुई। उनसे कोविड की कठिनाइयों, अफगानिस्तान में चुनौतियों, चाबहार की संभावनाओं व ईरानी परमाणु मुद्दे की जटिलताओं पर चर्चा हुई।' गत वर्ष 15 अगस्त को तालिबान के कब्जे में आने के बाद से अफगानिस्तान के घटनाक्रम को लेकर भारत व ईरान परस्पर संपर्क में हैं। ईरानी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने दो महीने पहले अफगान संकट पर भारत द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया था।

बांग्लादेश की रोहिंग्या बस्ती में लगी भीषण आग, 1200 घर जलकर खाक

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में रोहिंग्या शरणार्थियों के कैंप में भीषण आग लगाने की सूचना है। आग में करीब 1200 रोहिंग्या शरणार्थियों के घर जलकर खाक हो गए। स्थित कैंप 16 शरणार्थी शिविर के काटा इलाके में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

दअरसल, रिपोर्ट के हवाले से

गुजरात में कोरोना के 6097 नए मरीज, 1539 ठीक होकर घर लौटे, 2 लोगों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में सोमवार को कोरोना के 6097 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 1539 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट गए जबकि दो मरीजों की कोरोना से मौत हो गई राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत 3.82 लाख से अधिक लोगों को वैक्सीनेट किया गया स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में सोमवार को भी अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1893 नए केस सामने आए हैं सूरत कॉर्पोरेशन में 1778, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 410, वलसाड में 251, राजकोट कॉर्पोरेशन में 191, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 131, खेडा में 126, सूरत में 114, मेहसाणा में 111, कच्छ में 109, नवसारी में 107, भावनगर कॉर्पोरेशन में 93, आणंद में 88, भरुच में 78, गांधीनगर में 64, वडोदरा में 60, राजकोट में 58, मोरबी में 51, जामनगर कॉर्पोरेशन में 47, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 33, अहमदाबाद में 30, गिर सोमनाथ में 27, पंचमहल में 25, दाहोद में 24, अमरेली में 23, अरवल्ली में 21, सुरेन्द्रनगर में 19, बनासकांठा में 18, पाटन में 17, भावनगर में 15, महीसागर में 15, तापी में 13, जामनगर में 11, जूनागढ़ में 11, नर्मदा में 11, देवभूमि द्वारका में 10, साबरकांठा में 10, छोटाउदेपुर में 3, बोटाद में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 6097 पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं राज्य के डांग और पोरबंदर में एक भी सक्रिय मरीज नहीं हैं पिछले 24 घंटों में 1539 मरीजों के ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया राज्य में अब तक 825702 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं वहीं सूरत और राजकोट जिले में 1-1 मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10130 पर पहुंच गया हैं वहीं राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 32469 हो गई है, जिसमें 32440 स्टेबल हैं और 29 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं सोमवार को 150993 किशोर समेत राज्यभर में 382777 नागरिकों का टीकाकरण किया गया जिसमें 45 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 464 को दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 12487 को पहला और 26469 को कोरोना का दूसरा टीका दिया गया 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 68047 को पहली और 72015 को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई 15 से 18 वर्षीय 52256 किशोरों को पहा डोज दिया गया इसके अलावा राज्यभर में हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर समेत 150993 लोगों को प्रिकोशन डोज दिया गया राज्य में अब तक कुल 9 करोड़ 35 लाख 01 हजार 594 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

भाजपा के तीन नेताओं की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई

एक ही दिन में ३ बीजेपी नेता कोरोना की चपेट में आए

गुजरात में जहां एक बार फिर कोरोना ने कोहराम मचा दिया है, वहीं बीजेपी नेता एक के बाद एक कोरोना की चपेट में आ रहे हैं

अहमदाबाद, १० जनवरी।

गुजरात राज्य में जहां एक बार फिर कोरोना ने कोहराम मचा दिया है, वहीं अब बीजेपी नेता भी एक के बाद एक कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। आज भाजपा के तीन नेताओं की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। धांगध्रा से भाजपा के विधायक परसोतम साबरिया कोरोना संक्रमित हो गए हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी है। उन्होंने अपने संपर्क में आने वाले लोगों से कोरोना टेस्ट कराने की अपील की है। गुजरात भाजपा उपाध्यक्ष भरत बोघरा की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। राजकोट मं एक के बाद एक नेता कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। भरत बोघरा राजकोट में मुख्यमंत्री की रैली में मौजूद थे। भाजपा नेता नीतिन भारद्वाज, धनसुख भंडारी, मनीष चांगेला और अब भरत बोघरा भी पॉजिटिव आ गए हैं। राजकोट में बीजेपी के अब तक चार नेता पॉजिटिव पाए गए हैं। अब उत्तर प्रदेश के चुनावी दौरे से लौटे गुजरात नगर निगम के वित्तीय बोर्ड के अध्यक्ष धनसुख भंडेरी भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। अब कोरोना महामारी की चपेट में आने के बाद धनसुख भंडेरी ने अपने आप को होम आइसोलेट कर लिया है। गुजरात राज्य में एक बार फिर से कोरोना का आतंक शुरू हो गया है। अब पिछले २४ घंटे में कोरोना के ६२७५ नए मामले सामने आ गये हैं। अब वहीं इस दौरान १२६३ मरीज ठीक भी हो गये हैं। जिसके बाद अब तक कुल ८,२४,१६३ मरीज कोरोना को मात देने में कामयाब हो गये हैं। कोरोना के दैनिक मामलों में वृद्धि के बाद रिकवरी रेट घटकर ९५.५९ फीसदी पर पहुंच गई है।

मकरसंक्रांति और शादी के लिए लोग गांव जा रहे हैं

सूरत, १० जनवरी।

अब १४ जनवरी को मकरसंक्रांति और २६ जनवरी के बाद शादी का सीजन शुरू हो रहा है। इसे देखते हुए लोग अपने-अपने गांव जा रहे हैं। हालांकि इन दिनों कोरोना का प्रकोप बढ़ रहा है, लेकिन लॉकडाउन जैसी संभावना बिल्कुल नहीं है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कुछ लोग इसे पलायन बता रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। क्योंकि, सूरत से उत्तर भारत जाने वाली ट्रेनों की अपेक्षा वहां से आने वाली ट्रेनों में ज्यादा भीड़ है। रेलवे के पीआरएस से प्राप्त डेटा के अनुसार सूरत से रवाना होने वाली ट्रेनों की करंट बुकिंग में सीटें खाली हैं। यही नहीं अगले १७ जनवरी तक स्लीपर में १० से भी कम वेटिंग है। एसी में तो सीटें करंट में खाली जा रही हैं। १० जनवरी को ताप्ती गंगा में प्रयागराज तक के लिए थर्ड एसी में ३ सामान्य वेटिंग थी, जो चार्ट बनने के बाद कन्फर्म हो गई। स्लीपर में ३२ वेटिंग थी, जो चार्ट बनने के बाद आरएसी हो गई। वहीं १७ जनवरी को सूरत-छपरा क्लोन ट्रेन में १७७ सीटें खाली हैं। उधना वाराणसी की हर ट्रीप में करंट बुकिंग में सीटें उपलब्ध हैं। अधिकारियों का कहना है कि जाने वालों की संख्या सामान्य है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमीत ठाकुर ने कहा कि पिछले तीन दिनों से ट्रेनों से गांव जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है। इसे पलायन बताया जा रहा है, जबकि यह अफवाह के अलावा कुछ भी नहीं है। यूपी-बिहार के लिए जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग जनरल स्टेटस में है। ट्रेनों की भीड़ एकदम सामान्य है। करंट में सीटें खाली हैं। मकरसंक्रांति और २६ जनवरी के बाद २० फरवरी तक शादी का सीजन होगा। इसके लिए लोग गांव जा रहे हैं। पलायन जैसी स्थिति बिल्कुल भी नहीं है। यूपी-बिहार से सूरत आने वाली ट्रेनों में यहां से जाने वाली ट्रेनों से ज्यादा भीड़ है। लोग सूरत आ रहे हैं। रेलवे के पीआरएस बुकिंग डेटा के मुताबिक ११ जनवरी को ताप्ती गंगा के स्लीपर प्रयागराज छिवकी से सूरत के लिए ७६ वेटिंग है।

गुजरात में पड़ेगी कड़ाके की ठंड, अहमदाबाद और गांधीनगर में यलो अलर्ट जारी

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर भारत के पहाडी इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर गुजरात पर हो रहा हैं आगामी दो दिन गुजरात में कड़ाके की ठंड पड़ने का मौसम विभाग का अनुमान हैं राज्य की राजधानी गांधीनगर के अलावा अहमदाबाद में ठंड को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया हैं अहमदाबाद समेत गांधीनगर में ठंड बढ़ने के साथ ही उत्तरी गुजरात के बनासकांठा के लोगों को भी कड़ाके की ठंड का सामना करने के तैयार रहना होगा बीती रात अहमदाबाद समेत राज्य के कई इलाकों में ठंड का पारा 10 डिग्री से भी कम दर्ज हुआ हैं सबसे अधिक ठंड कच्छ जिले के नलिया महसूस की गई, जहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज हुआ गांधीनगर में बीती रात न्यूनतम तापमान 7 डिग्री और अहमदाबाद में 10 डिग्री से भी कम रहा मौसम विभाग ने आगामी दो दिन कच्छ और उत्तर गुजरात में यलो अलर्ट जारी किया हैं अहमदाबाद, गांधीनगर, कच्छ और बनासकांठा में ठंड हवा चलेगी कुछ दिन पहले बेमौसमी बारिश हुई थी और अब 16 से 18 जनवरी के दौरान फिर एक बार मावठ की संभावना व्यक्त की गई हैं जिसकी वजह से अहमदाबाद समेत गांधीनगर, बनासकांठा और पाटन में ठंड और बढ़ेगी

मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने कोरोना के बढ़ते हुए केसों के मद्देनजर समीक्षा बैठक की

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर बढ़ते हुए कोरोना केसों के मद्देनजर रेल कर्मचारियों व उनके परिजनों तथा रेल यात्रियों को कोविड से सुरक्षा प्रदान करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन द्वारा सभी ब्रांच अधिकारियों के साथ के आज दिनांक 10 जनवरी 2022 को समीक्षा बैठक की गई। सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागों में कर्मचारियों को रोस्टर बनाकर 50ज्ञ कर्मचारियों की उपस्थिति, सैनिटाइजेशन मशीन लगाने, टेंपरेचर मशीन इंस्टॉल करने के लिए निर्देश दिये तथा अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर थर्मल स्केनर तथा सैनिटाइज़ेशन मशीने इंस्टॉल करने तथा साथ ही मण्डल के विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों,अस्पताल, यार्ड तथा कारखानों आदि जगहों पर भी लगाने के लिए कहा गया। वाणिज्य विभाग द्वारा अनाउंसमेंट के माध्यम से सभी पैसेंजर को मास्क लगाने के लिए, बार-बार हाथ धोने और सैनेटाइज करने तथा सभी कोविड प्रोटोकॉलो का पालन करने के लिए भी समझाया जा रहा है। तथा वाणिज्य विभाग को मास्क न लगाने पर जुर्माना लगाने के निर्देश भी दिए गए है। कोविड से बचाव के

लिए मण्डल पर कोचिंग डिपो में ट्रेनों के कोचों को सैनेटाइज करके लगाया जा रहा है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री जैन ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्री आलोक श्रीवास्तव मण्डल रेल हॉस्पिटल साबरमती को आवश्यक मेडिकल स्टाफ एवं डॉक्टर्स के रिक्त पदों को तुरंत भरने तथा आवश्यकतानुसार मेडिसिन, मशीनें आदि की डिमांड भेजने के लिए निर्देश भी दिए। तथा ऑक्सीजन प्लांट को पूर्ण क्षमता पर चलाने के लिए तैयार रखने के लिए कहा। ताकि आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके।

पश्चिम रेलवे

महत्वपूर्ण पुल का निर्माण

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) I, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **ई-निविदा सं.: डीवाई. सीई/सी/I/बीआरसी/एएनएमडी-जीडीए/01, कार्य का नामः पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में आनंद-गोधरा बीजी दोहरी लाइन परियोजना** के संबंध में ओपन/पाइल फाउंडेशन पर महत्वपूर्ण पुल नं. 65 (सुपर स्ट्रक्चर के बगैर) तथा प्रमुख पुल सं. 8ए, 23ए, 51ए, 58, 67, 71बी (सुपर स्ट्रक्चर के बगैर), 74 एवं 78 का निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागतः रु. 9,857.33 लाख। जमा की जाने वाली बयाना राशिः रु. 50,78,700/-, बोली लगाने हेतु ऑनलाइन निविदा की उपलब्धताः 17.01.2022 से 31.01.2022 को 15.00 बजे तक।** टिप्पणीः (1) निविदा दस्तावेज की कीमत (अप्रतिदेय), ईएमडी, पात्रता के मानदंड, समतुल्य प्रकृति के कार्य, विस्तृत निविदा की शर्तें सम्मिलित विस्तृत सूचना के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें। (2) बोलीदाताओं की तकनीकी उपयुक्तता के उपरांत मूल्य बोली खुलने की जानकारी बाद में दी जाएगी। मैनुअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0652

हमे लाइक करें : facebook.com/WesternRly

20 जनवरी तक चलेगा राज्यव्यापी करुणा अभियान

- पतंग की डोर से पक्षियों को घायल होने से बचाने और घायल पक्षियों के उपचार का अनोखा अभियान

अहमदाबाद (ईएमएस) आगामी उत्तरायण पर्व के दौरान पतंग की डोर से कोई बेजुबान पक्षी या पशु घायल न हो जाए उस संदर्भ में पर्याप्त एहतियात बरतते हुए 10 से 20 जनवरी, 2022 के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरणा और मार्गदर्शन में राज्यव्यापी करणा अभियान आयोजित होगा। अभियान के दिनों के दौरान पूरे राज्य में प्रतिदिन सुबह 7 से शाम 6 बजे तक सभी तहसीलों में वन विभाग की ओर से कंट्रोल रूम कार्यरत किया जाएगा। 'जिओ, जीने दो और नवजीवन दो' की जीवदया की भावना के साथ मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में वन विभाग ने इस वर्ष उत्तरायण पर्व के दौरान घायल होने वाले पक्षियों की त्वरित उपचार व्यवस्था के लिए वॉट्सऐप नंबर जारी करने के साथ वेबसाइट भी कार्यरत की है। जिसके अनुसार वॉट्सएप नं. 8320002000 पर 'करुणा' मैसेज टाइप कर भेजने से या वेबसाइट https://bit.ly.karunaabhiyan पर क्लिक करने से जिलावार पक्षी उपचार केंद्रों की जानकारी मिल सकेगी। इतना ही नहीं, पशुपालन विभाग के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1962 पर घायल पक्षियों के उपचार के लिए मदद ली जा सकेगी। आगामी उत्तरायण पर्व के दौरान यदि कोई पक्षी घायल होता है तो उसके उपचार के लिए राज्यभर में इस वर्ष 700 से अधिक पक्षी निदान और उपचार केंद्र, 620 से अधिक चिकित्सक तथा 6000 से अधिक सेवाभावी स्वयंसेवक सेवारत रहेंगे। उत्तरायण जैसे त्योहारों और लोकोत्सवों को मनाने के दौरान अबोल जीवों की चिंता कर उनका उपचार और ख्याल रखने की गुजरात की अनूठी पहल करुणा अभियान आज एक मिसाल बन गई है। करुणा अभियान के अंतर्गत पिछले पांच वर्षों में लगभग 50 हजार से अधिक पक्षियों का उपचार किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस वर्ष उत्तरायण के त्योहार में लोगों से अपील की है कि वे पतंग उड़ाते समय इस बात की सावधानी रखें कि आसमान में उड़ते पक्षी पतंग की डोर से घायल न हों।

पत्नी शारीरिक संबंध की इच्छा बताती तो पति पीटता

विवाहिता ने आरोप लगाया है कि इसका पति शारीरिक संबंध नहीं बनाता और इस पर अत्याचार करता था

अहमदाबाद, १० जनवरी।

शहर की महिला पुलिस स्टेशनों में मामूली बात में महिलाओं पर होते अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रहे होने की शिकायतों पर से देखने को मिल रहा है। मूल उत्तरप्रदेश के कानपुर की २४ वर्ष की विवाहिता ने अपने पति के खिलाफ साबरमती पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, यह शिकायत में विवाहिता ने आरोप लगाया है कि इसका पति शारीरिक संबंध नहीं बनाता और इस पर अत्याचार करता था।

इसके अलावा महिला ने शिकायत में यह भी बताया है कि इसका पति माइके से रुपया लेकर आने के लिए दबाव करता था। मूल उत्तरप्रदेश की महिला ने वर्ष २०१८ में साबरमती में रहते युवक के साथ शादी की थी। कुछ दिन अच्छा रहने के बाद छोटी-छोटी बात में इसके साथ झगड़ा करता था। इसके बाद यह जनवरी २०२० में अपने माइके चली गई थी।

समाज के बुजुर्ग लोग और परिवार के लोगों के समझाने के बाद फरवरी २०२० में विवाहिता को इसका पति वापस अहमदाबाद लेकर आया था। इसके साथ पति ने अब फिर इस पर अत्याचार नहीं करेगा ऐसा आश्वासन भी बुजुर्ग लोगों और परिजनों को दिया था। समझाने के बाद भी दोनों के बीच झगड़े होते रहते थे। शिकायत में बताया गया है कि पति बारबार विवाहिता को परेशान करता था, इसे माइके से रुपया लेकर आने के लिए दबाव करता था। विवाहित ने शिकायत में बताया है कि, जबकि उसने अपने मां-पिता से रुपया मांगा तो मैंने कहा कि आपको यह सभी शादी के पहले करने की जरूरत थी, इसके बाद नाराज हुए पति ने मुझे पीटना शुरू कर दिया और मेरी सास मुझे बचाने के लिए आई थी।

विवाहिता ने अपनी व्यथा व्यक्त करते शिकायत में यह भी बताया है कि, फरवरी २०२० के बाद से हमारे बीच पति-पत्नी जैसे संबंध नहीं बने।

हर समय मैं मेरे पति को मेरी शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा मामले में बात की थी, इसके बाद पति मुझे पीटता था। शनिवार को विवाहिता के मां-पिता आये थे तब पति ने उसके साथ खराब व्यवहार किया था।

कोविड की नई गाइडलाइन में डेकोरेटर्स और केटरर्स की बढाई चिंता, ज्यादातर ऑर्डर कैंसल

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में कोरोना फिर एक बार तेजी से पैर पसारने लगा हैं जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने न सिर्फ रात्रि कर्फ्यू के समय में इजाफा किया है, अन्य कई पाबंदियां भी लगा दी हैं कोविड की नई गाइडलाइन डेकोरेटर्स और केटरर्स की चिंता बढ़ा दी हैं दरअसल मकर संक्रांति पर्व के बाद शुरू होनेवाले शादी के सीजन के लिए डेकोरेटर्स और केटरर्स उन्हें मिले ऑर्डर की व्यवस्था करने में जुटे थे ऐसे में कोरोना संक्रमण बढ़ने से राज्य सरकार ने शादी समारोह में खुली जगह पर 400 और बंद जगह पर क्षमता के 50 प्रतिशत से अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया हैं सरकार की इस नई एसओपी के कारण डेकोरेटर्स और केटरर्स के व्यवसाय को बड़ा नुकसान हो रहा हैं मकर संक्रांति पर्व के बाद विवाह के अच्छे मुहूर्त हैं और लोगों ने अपनी संतानों के विवाह का आयोजन कर लिया हैं इसके अंतर्गत डेकोरेटर्स और केटरर्स को मंडप व भोजन इत्यादि का एडवांस बुकिंग भी करवा लिया थ लेकिन नई एसओपी के चलते डेकोरेटर्स और केटरर्स के ज्यादातर ऑर्डर कैंसल हो गए हैं करीब दो साल के बाद डेकोरेटर्स और केटरर्स व्यवसाय को मुश्किल से गति मिली थी, लेकिन तीसरी लहर ने फिर व्यवसायियों की चिंता बढ़ा दी हैं

कोर्स5 इंटेलिजेंस लिमिटेड ने 600 करोड़ रुपए तक के आईपीओ के लिए दस्तावेज फाइल किए

प्योर-प्ले डेटा एनालिटिक्स और इनसाइट्स कंपनी कोर्स5 इंटेलिजेंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी दायर किया है। भारत में निगमित संस्थाओं के बीच कोर्स5 इंटेलिजेंस अग्रणी प्योर-प्ले डेटा एनालिटिक्स और इनसाइट्स कंपनियों में से एक है। कंपनी रु.5 प्रत्येक (इक्विटी शेयर) के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों के एक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का प्रस्ताव कर रहा है, जो कुल मिलाकर रु.600 करोड़ का ऑफ़र है।

इस ऑफर में रु.300 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (फ्रेश इश्यू) और इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है, जो कुल मिलाकर रु.300 करोड़ तक है। ओएफएस में अश्विन रमेश मित्तल द्वारा कुल रु.32.5 करोड़ तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं। साथ ही, रिद्धिमिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कुल रु.40 करोड़ तक इक्विटी शेयर, रिद्धिमिक टैक्नोसर्व एलएलपी द्वारा रु.40 करोड़ तक इक्विटी शेयर, एएम फैमिली प्राइवेट ट्रस्ट द्वारा इक्विटी शेयर रु.112.5 करोड़ तक (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स) और कुमार कांतिलाल मेहता द्वारा इक्विटी शेयर कुल मिलाकर रु.75 करोड़ (अन्य सेलिंग शेयरहोल्डर, और प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स के साथ, बिक्री करने वाले शेयरधारक) (ऑफरफॉरसेल) शामिल हैं। कंपनी के प्रवर्तक हैं- अश्विन रमेश मित्तल, रिद्धिमिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, रिद्धिमिक टैक्नोसर्व एलएलपी और एएम फैमिली प्राइवेट ट्रस्ट।

कंपनी प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है, जो आरओसी के साथ रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले कुल मिलाकर रु.60 करोड़ तक का हो सकता है। यदि ऐसा प्लेसमेंट पूरा हो जाता है, तो नए इश्यू का आकार ऐसे प्री-आईपीओ प्लेसमेंट की सीमा तक कम हो जाएगा।

एक्सिस कैपिटल और जेएम फाइनेंशियल आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) हैं।

कोर्स5 इंटेलिजेंस का फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एनालिटिक्स और इनसाइट्स का उपयोग करके संगठनों को डिजिटल बदलाव में मदद करना है।

आरपीएफ की भर्ती के संबंध में फर्जी ख़बर

कुछ ऑनलाइन वेबसाइटों ने एक नोटिस प्रकाशित किया है जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय रेल सुरक्षा बल (ंइ) आरपीएफ कांस्टेबल भर्ती - 2022 परीक्षा के माध्यम से भर्ती कर रहा है, जो कि फेक न्यूज है। आरपीएफ द्वारा ऐसी कोई भर्ती सूचना/विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया गया है। रेल मंत्रालय ऐसी किसी अधिसूचना/विज्ञापन के जारी होने का खंडन करता है। सभी से अनुरोध है कि वे इस प्रकार की गलत सूचनाओं से सावधान रहें तथा केवल आधिकारिक वेबसाइट अथवा स्रोतों से जारी सूचना पर ही विश्वास करें।

ऊर्जा विभाग भर्ती प्रक्रिया में चल रहा है परिवारवाद और परिचितवादः युवराजसिंह

अहमदाबाद (ईएमएस) विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने राज्य के ऊर्जा विभाग भर्ती कांड को लेकर आज खुलासा करते हुए दिलीप पटेल और अरविंद पटेल को पूरे मामले का मुख्य सूत्रधार बताया हैं साथ ही आरोप लगाया कि ऊर्जा विभाग की भर्ती प्रक्रिया में परिवारवाद और परिचितवाद चल रहा है और वह भी गलत तरीके से अपनों को नौकरी दिलाई जा रही हैं गांधीनगर में पत्रकार परिषद में युवराजसिंह जाडेजा ने बताया कि दिलीप पटेल और अरविंद पटेल ने अपने परिवार के 45 लोगों को गलत तरीके से सेटिंग कर सरकारी नौकरी दिलवाई हैं गलत तरीके से भर्ती पाने वाले सभी लोग फिलहाल सेवारत हैं युवराजसिंह ने गलत तरीके से की गई भर्ती के सबूत उनके पास होने का दावा करते हुए मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से आरोपियों की संपत्ति जब्त करने और एसआईटी से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की हैं उन्होंने कहा कि सरकारी विभाग में भर्ती में परिवार और परिचितवाद चल रहा है और आनेवाले दिनों में इस धांधली में अन्य लोगों के नाम का खुलासा करूंगा ऊर्जा विभाग में भर्ती मामले में गलतेश्वर के दिलीप डाह्या पटेल, इटाला प्राथमिक स्कूल के शिक्षक जिनके तीन लोग शामिल हैं दिलीप पटेल के भाई विजय पटेल हैं बायड में रहनेवाले धर्मेन्द्र पटेल की बिचौलिए की भूमिका हैं इसके अलावा विजय पटेल और श्वेत पटेल भी बिचौलिए हैं विद्यार्थी नेता ने बताया कि धर्मेन्द्र पटेल की पत्नी कृपल पटेल यूजीवीसीएल में बायड में बतौर जूनियर आसिन्ट हैं दिलीप पटेल का पुत्र उत्पल पटेल जेटको में और बहु शिखा पटेल थर्मल जेटको में नौकरी कर रही हैं उत्पन पटेल का साला भी वहीं सेवारत हैं जाडेजा ने आरोप लगाया कि रिश्ते-नातेदार मिलाकर कुल 45 लोगों को गलत तरीके से ऊर्जा विभाग में भर्ती कराया गया हैं इन 45 लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने में दिलीप डाह्या पटेल की मुख्य भूमिका हैं इतना ही नहीं दिलीप डाह्या पटेल का दामाद भी लींबडी में बतौर जूनियर आसिस्टन्ट कार्यरत हैं उन्होंने इन 45 लोगों की नौकरी के लिए ऑनलाइन परीक्षा ली गई थी, जिसमें बड़ी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए सभी कंप्यूटर जब्त करने की मांग की हैं युवराजसिंह ने कहा कि बायड के अरविंद पटेल का पुत्र जतीन पटेल आणंद जीईबी में और दूसरा पुत्र श्रेय पटेल फिलहाल कालूपुर और उसकी पत्नी दाहोद में नौकरी कर रही हैं जबकि अरविंद पटेल का भाई बिचौलिया हैं युवराजसिंह जाडेजा का दावा है कि उनके पास सरकारी भर्ती में धांधली करनेवाले सभी लोगों के नाम, सबूत हैं मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी से अनुरोध है कि पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके साथ ही दिलीप पटेल और अरविंद पटेल से उनकी संपत्ति के बारे में भी पूछताछ की जानी चाहिए उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में चल रही सेटिंग के खिलाफ हम संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि कुछ लोगों को ही इसका लाभ मिलता है और उनसे वसूले गए रुपए ऊपर तक जाते हैं दिलीप पटेल की ऊर्जा विभाग के अधिकारी सीधी पहचान हैं एमजीवीसीएल और यूजीवीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों से वह सीधे मुलाकात करते हैं

गायक कीर्तिदान गढवी के कार्यक्रम में रुपये की बारिश

आणंद, १० जनवरी।

गुजराती लोक गायक कीर्तिदान गढवी के चाहने वाले देश और विदेश में भी इतनी ज्यादा है कि उनके डायरे में रुपया और डॉलरों की बारिश हो वह सामान्य बात हो गई है। अब गुजरात आणंद जिले से एक महत्वपूर्ण समाचार मिल रहा है।

आणंद में कोरोना महामारी में एक कीर्तिदान गढवी का डायरा रखा गया था, जहां उनके प्रशंसक स्वाभाविक रूप से इकट्ठा हुए और जोश में आकर रुपये की बारिश कर दी। इस बारे में जानकारी मिल रही है कि लोक गायक कीर्तिदान गढवी को चाहने वाले गुजरात सहित देश और विदेश में भी इतनी ज्यादा है कि वह डायरा के लिए लोकप्रिय है। अब आणंद के कलमसर में कीर्तिदान गढवी के एक कार्यक्रम में रुपये की बारिश हुई थी। जिसमें डायरा में उपस्थित लोगों ने उनके कार्यक्रम में रुपये की बारिश की थी। यहां आश्चर्य की बात है कि कार्यक्रम में राज्य के विधायक मयुर रावल की उपस्थिति में बड़ी संख्या में भीड़ लग गई थी। यहां भी कोरोना नियमों के नियमों को भंग किया गया। कीर्तिदान गढवी के डायरे में कई लोग मास्क और सामाजिक दूरी नहीं देखने को मिला। विधायक मयुर रावल ने खुद डायरा में रुपये उड़ाये। कीर्तिदान गढवी पर रुपये उड़ाते विधायक के दृश्य वायरल होने पर चौतरफा चर्चा का विषय बन गया। यहां कोरोना के आतंक के बीच कई लोग मास्क बिना दिखाई दिए। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले अमेरिका के एटलान्टा में कीर्तिदान गढवी के डायरे पर मंत्रमुग्ध हो गये। जिसमें अमेरिकन डॉलरों की बारिश हु। कीर्तिदान गढवी ने लीली लींबडी रे लीलो नागरवेलनो छोड यह गीत गाते ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में उत्साह आ गया और डॉलर की थप्पी उड़ाई गई। महत्व का है कि अमेरिका में आयोजित हुए यह कार्यक्रम में कीर्तिदान गढवी ने गुजराती के साथ हिंदी गीतों को पेश किया गया।

किसी नेता की गलती का उदाहरण पेश कर कोई भी नागरिक अपना जीवन खतरे में न डाले : गृह राज्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संक्रमण बढ़ने से राज्य सरकार ने रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ाने के साथ ही कई पाबंदियां लगा दी हैं लेकिन कोविड नियमों का आम नागरिक ही नेता भी धज्जियां उड़ा रहे हैं ऐसे में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी का बड़ा बयान सामने आया हैं उनका कहना है कि किसी नेता की गलती का उदाहरण पेश कर किसी नागरिक को अपनी जीवन खतरे में नहीं डालना चाहिए भाजपा नेताओं द्वारा कोविड नियमों के उल्लंघन को लेकर हर्ष संघवी ने कहा कि सभी को इसका पालन करना चाहिए चाहे वह नेता हो या आम नागरिक पुलिस को भी आदेश दिया गया है कि मानवीय अभिगम के साथ कोविड नियमों का पालन कराया जाए यदि कोई नेता गलती करता है तो उसका उदाहरण देकर किसी भी नागरिक को अपना जीवन खतरे में नहीं डालना चाहिए उन्होंने कहा कि जनवरी महीने में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते देखते वाइब्रेंट गुजरात समिट भी स्थगित कर दी गई हैं अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव और अहमदाबाद में होनेवाले फ्लावर समेत सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया हैं प्रत्येक प्रभारी मंत्री को उनके प्रभार वाले जिले में रहकर स्थिति की समीक्षा करने का आदेश दिया गया हैं आज गांधीनगर जिले में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की हैं आज हुई बैठक में धन्वंतरी रथ, माइक्रो कंटेंटमेंट जोन और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में समीक्षा की गई हैं गांधीनगर जिले की सबसे बड़ी तहसील कलोल के होस्पिटल में पर्याप्त स्टाफ के साथ साधन-सामग्री उपलब्ध हैं ऑक्सीजन प्लांट सभी तहसीलों में हैं गांधीनगर जिले में पॉटिविटी रेट काफी कम हैं

पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से दिसंबर, 2021 तक गहन टिकट जाँच अभियान के दौरान 68 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त किया

अनियमित यात्रा के 11.76 मामले सामने आए

बिना मास्क वाले यात्रियों से जुर्माना के रूप में 41 लाख रुपये से अधिक की प्राप्ति

पश्चिम रेलवे अनधिकृत यात्रा पर रोक लगाने के लिए नियमित टिकट जाँच अभियान चला रही है। इन गहन अभियानों से पश्चिम रेलवे ने अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2021 तक की अवधि के दौरान अनियमित यात्रा करने वालों से 68 करोड़ रुपये और बिना मास्क मामलों से 41.09 लाख रुपये का राजस्व जुर्माने स्वरूप प्राप्त किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2021 तक की गई जाँच के दौरान बिना बुक किए सामान के मामलों सहित बिना टिकट/अनियमित यात्रा के लगभग 11.76 लाख मामलों का पता चला, जिसके परिणामस्वरूप 68 करोड़ रु. का राजस्व वसूला गया। इसी अवधि के दौरान आरक्षित टिकटों के हस्तांतरण के 8 मामलों का पता लगाया गया और 12,085 रु. का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा 413 भिखारी और 534 अनाधिकृत फेरीवाले आदि को भी पकड़ा गया, जिनमें से 175 पर चालान कर 60,515 रु. रेलवे बकाया के रूप में वसूल किया गया। 359 व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया गया और 1,33,670 रु. का जुर्माना वसूल किया गया।

रेलवे परिसर में बिना मास्क के यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई

टिकट चेकिंग स्टाफ को बिना मास्क के यात्रियों से जुर्माना लेने का अधिकार दिया गया है। परिणामस्वरूप, 17 अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2021 तक बिना मास्क के 10 हजार से अधिक मामलों में पश्चिम रेलवे पर 19.75 लाख